हरिभूमि
रायपुर भूमि

ठंड के मौसम में हवा की गति कम, इसलिए विस्तारित नहीं हो रहा वायु प्रदूषण

रविवार को एक्यूआई की स्थिति

क्षेत्र	एक्यूआई इंडेक्स
बस स्टैण्ड	79
एम्स	148
कृषक नगर	91
सिलतरा	95

भाठागांव बस टर्मिनल के आसपास वाहनों की आवाजाही से दिनभर धूल का गुबार उठ रहा है। आसपास के पेड़-पौधे पर धूल की परत जम रही है। दूसरी ओर बस स्टैण्ड परिसर में लगा एयर क्वालिटी इंडेक्स का डेटा हवा में मौजूद प्रदूषण की मात्रा को संतोषजनक बता रहा है। वास्तविकता और एक्यूआई के डेटा के इस अंतर के बीच यह समझ पाना मुश्किल है कि वहां का धूल-धूसरित माहौल श्वास संबंधी मरीज के लिए असहज है अथवा नहीं...।

हरिभूमि लाइव

किस पर करें भरोसा....भाठागांव एयर क्वालिटी इंडेक्स का डेटा संतोषजनक, वास्तव में दिनभर उड़ रहा धूल का गुबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जानकारों का कहना है कि बड़े वाहनों की आवाजाही के कारण भाठागांव बस स्टैण्ड के आसपास वायु प्रदूषण की मात्रा अन्य इलाकों से ज्यादा है। यहां हवा के साथ उड़ने वाले धूल के कण उन लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता हैं, जो अस्थमा अथवा श्वास संबंधी समस्या से पीड़ित हैं। ओवरब्रिज के आसपास गाड़ियों के साथ उड़ने वाली धूल का गुबार वहां की हवा प्रदूषित कर रहा है, जो वहां के रहवासियों के साथ ▶▶|शेष पेज 13 पर

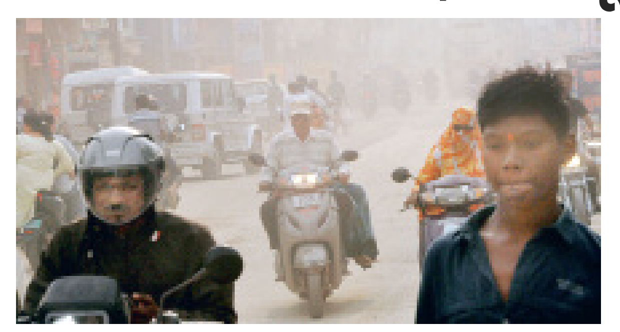

टाटीबंध में मध्यम स्थिति

एक्यूआई इंडेक्स में एम्स यानी टाटीबंध इलाके में हवा के प्रदूषण की स्थिति मध्यम है। जबकि इस इलाके में ट्रक-ट्रेलर जैसे भारी वाहनों की आवाजाही दिनभर होती है। औद्योगिक इलाके सिलतरा में एयर क्वालिटी इंडेक्स संतोषप्रद है, जिसके मुताबिक, फैक्ट्रियों से उठने वाला धुआं उन इलाकों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ▶▶|शेष पेज 13 पर

हवा की गति कम इसलिए दायरा सीमित

इधर मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक, ठंड के दिनों में हवा की गति सामान्यतः कम होती है। इसलिए उड़ने वाली धूल अथवा धुंआ ज्यादा क्षेत्रों में विस्तारित नहीं हो पाता और उसका असर सीमित इलाके में रह जाता है। आमतौर पर ऐसा होने की वजह प्रभावित इलाके की विजिबिलिटी प्रभावित होती है। हवा में मौजूद डस्ट को गति नहीं मिल पाती, इसलिए धूल के कण सीमित क्षेत्र तक ही मौजूद रहते हैं। गर्मी के दिनों में हवा की रफ्तार अधिक होती है, इसलिए प्रदूषण का दायरा भी ज्यादा होता है।

खबर संक्षेप

गाली-गलौज से मना करने पर पाइप से हमला

रायपुर। आजाद चौक थाने में एक महिला ने दूसरी महिला के खिलाफ गाली-गलौज करने से रोकने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। खपरा भट्ठी निवासी पूर्णिमा सारथी ने अपने पड़ोसी मंजू सोनवानी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। पूर्णिमा ने पुलिस को बताया कि मंजू उसके भतीजे के साथ गाली-गलौज कर रही थी। मना करने पर मंजू ने पूर्णिमा से कहा, गाली-गलौज करने से रोकने वाली तुम कौन होती हो और उसके साथ मारपीट करते हुए पाइप से हमला कर दिया।

जमीन विवाद पर दो पक्षों में जमकर मारपीट

रायपुर। आरंग थाने में जमीन विवाद में दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामदास मानिकपुरी ने बसंत मानिकपुरी, गायत्री मानिकपुरी, लक्ष्मी मानिकपुरी एवं अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बसंत ने रामदास, उत्तरा, गंगा मानिकपुरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दोनों पक्षों के बीच पट्टे की जमीन को लेकर विवाद, मारपीट हुई है।

खेत में लगे सोलर पंप समेत अन्य सामान पार

रायपुर। आरंग थाने में एक पशु चिकित्सक ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपने बेटे की कृषि भूमि पर लगे 40 हजार रुपए से ज्यादा कीमत के सोलर पंप, बैटरी सहित अन्य सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। डॉ. जेपी धृतलहरे ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। डॉ. धृतलहरे ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा खेत गया तो उसे वहां लगाए गए सोलर पंप सहित अन्य सामान गायब मिले।

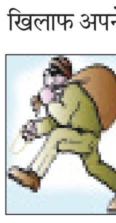

गाड़ी चलाने के विवाद पर छात्र के साथ मारपीट

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में 12वीं के एक छात्र ने दो युवकों तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पंचवटी नगर निवासी आदर्श शर्मा ने नूर, बल्ली तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत की है। आदर्श ने पुलिस को बताया कि नूर तथा बल्ली लापरवाही से कार चलाकर उसकी बाइक को कट मारे। इस पर आदर्श ने दोनों युवकों को कार ठीक से चलाने के लिए कहा। इसके बाद नूर ने अपने अन्य साथियों को बुलाकर आदर्श के साथ मारपीट की।

गंभीर रूप से घायल की उपचार के दौरान मौत

रायपुर। धरसींवा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सड़क दुर्घटना में घायल अरुण यादव की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है। अरुण 21 नवंबर को अपनी बाइक से मनोहरा से धरसींवा आ रहा था। अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से ठोकर मार दी। अज्ञात वाहन के टक्कर से अरुण अपनी बाइक से गिर गया और उसे गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

चुंगी क्षतिपूर्ति कर, मुद्रांक शुल्क, बार लाइसेंस, यात्री कर के रूप में लेनी है राशि

निगम की जेब खाली, अधिकारी-कर्मचारी के वेतन पेंशन के पड़े लाले, सरकार से मांगे 50 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम अपने अधिकारियों ओर कर्मचारियों को वेतन बांटने की हालत में नहीं है। तंगहाली से जूझ रहे नगर निगम प्रशासन ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर 50 करोड़ की राशि वेतन, पेंशन, सफाई और स्ट्रीट लाइट बिल के लिए मांगी है। निगम के खजाने में इतनी राशि नहीं है कि वह अपने कर्मचारियों, अधिकारियों, पेंशनरों और प्लेसमेंट कर्मचारियों को वेतन दे सके। ऐसे में निगम के वित्त विभाग ने निगम कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन, पेंशन सहित स्ट्रीट लाइट, सफाई सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपए की मांग राज्य शासन से की है। इसके लिए निगम मुख्यालय से पत्र शासन को पत्र भेजा गया है। निगम को शासन से मुद्रांक शुल्क, चुंगी क्षतिपूर्ति, बार लाइसेंस के रूप में बकाया राशि शासन से मिलनी है।

दरअसल नगर निगम मुख्यालय और 10 जोन में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को वेतन बांटने हर महीने नगर निगम को 9.5 करोड़ की जरूरत पड़ती है। साथ ही पेंशनरों को हर माह पेंशन के रूप में 3.5 करोड़ रुपए की एकमुश्त राशि चाहिए, यानी कुल 13 करोड़ निगम कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का खर्च है। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों और स्ट्रीट लाइट, फिल्टर प्लांट के बिजली बिल का खर्च अलग है। कुल मिलाकर एक साल में निगम कर्मचारियों के वेतन और पेंशन के लिए 156 करोड़ की जरूरत पड़ती है, लेकिन निगम की आमद अलग-अलग स्त्रोतों को मिलाकर महज 120 करोड़ के आसपास है, यानी हर साल 36 करोड़ का अंतर पूरा करने राज्य शासन के आगे हाथ फैलाने की नौबत आती है। इस बार भी कमोबेश यही स्थिति है। इसके बाद भी शहरी सरकार निगम के खर्चों को पूरा करने नए आर्थिक स्त्रोत नहीं ढूंढ पा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नगर निगम रायपुर को हर साल अक्टूबर से लेकर दिसंबर माह तक आर्थिक तंगी के चलते अपने कर्मचारी, अधिकारियों के वेतन व पेंशनरों की मासिक पेंशन के लिए राज्य सरकार के रहमोकरम पर रहना मजबूरी है।

अलग खबर

अतिरिक्त आय के स्रोत बढ़ाने करेंगे प्रयास

इस बार राजस्व वसूली काफी कम हुई है। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण विशेष अभियान में एक माह से सभी कर्मचारी व अधिकारियों की ड्यूटी लगने के कारण इस पर असर पड़ा है। यह काम पूरा होते ही राजस्व वसूली में तेजी लाएंगे। पेंशनरों की पेंशन भुगतान पर विशेष ध्यान देंगे। नागरिकों से आग्रह है कि वे समय रहते अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराएं, ताकि विलंब होने पर अतिरिक्त शुल्क न देना पड़े। - **मीनल चौबे**, महापौर।

475 करोड़ राजस्व वसूली का टारगेट, अब तक 100 करोड़ वसूली

निगम आयुक्त विश्वदीप ने राजस्व महकमे को साल 2025-26 के लिए 475 करोड़ रुपए राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया है। निगम की 10 जोन कमिश्नरी शहर के 70 वार्डों से अब तक महज 20 फीसदी राशि ही वसूल पाई, यह राशि 100 करोड़ के करीब है। अब 5 महीने में 375 करोड़ की राजस्व वसूली निगम के लिए कड़ी चुनौती के रूप में सामने है। निगम के विभागीय अफसर इस बार राजस्व वसूली पिछड़ने का एक बड़ा कारण राजस्व विभाग के कर्मचारियों, अधिकारियों को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कार्य में लगाए जाने को बता रहे हैं।

निगम में राजस्व के प्रमुख स्त्रोतों पर एक नजर

टैक्स वसूली, दुकान किराया, चुंगी क्षतिपूर्ति राशि, मुद्रांक शुल्क, बार लायसेंस, उत्पाद कर, यात्री कर, मनोरंजन कर, शिक्षा उपकर।

बादल के साथ दिन में आई ठंडक, दिसंबर में जारी रहेगा उतार-चढ़ाव

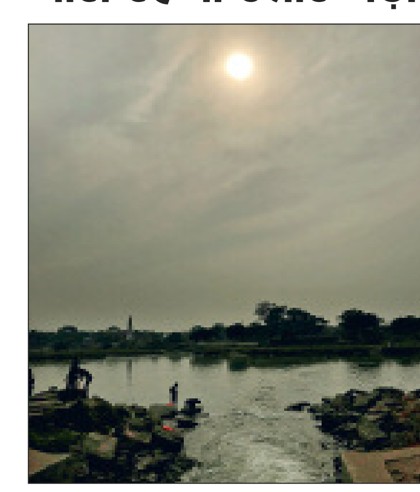

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऊपरी वायुमंडल में हवा के साथ आ रही नमी से रविवार को छाए बादल दिन में ठंडक लेकर आए। अगले दो दिन तक इसी तरह की स्थिति रहने का अनुमान है। इस दौरान दिन का पारा चढ़ने से रात की ठंड में थोड़ी कमी आएगी। दिसंबर के महीने में आने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। रविवार को राज्य में सबसे कम तापमान अंबिकापुर का 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

- रात के तापमान में हुई एक डिग्री की हुई वृद्धि

श्रीलंका चक्रवाती सिस्टम की वजह से राज्य में नमी का प्रवेश हो रहा है। इसके प्रभाव से रविवार को दिन में रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में बादल छा गए। धूप का प्रभाव कम होने से पारा नहीं चढ़ पाया और मौसम में थोड़ी ठंडकता ▶▶|शेष पेज 13 पर

बीएससी की 4000 सीटों के लिए 20 परसेंटाइल किए जाने की संभावना, एडमिशन की नई तारीख भी जल्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

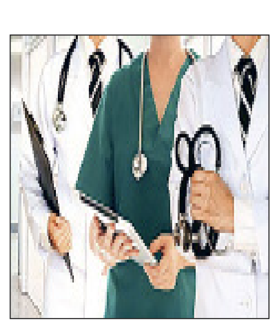

निजी नर्सिंग कॉलेजों में खाली बीएससी की 4000 सीटों पर प्रवेश पूरा करने के लिए न्यूनतम अंक 20 परसेंटाइल किए जाने की संभावना है। निजी नर्सिंग कॉलेज प्रबंधन और चिकित्सा शिक्षा विभाग इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। जल्द ही प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाने और न्यूनतम अंक के नियम को शिथिल करने के लिए आईएनसी को सिफारिशी पत्र भेजने की तैयारी है। प्रवेश के लिए नर्सिंग काउंसिल द्वारा तय की गई अंतिम तिथि 30 नवंबर समाप्त हो चुकी है।

- चिकित्सा शिक्षा विभाग आईएनसी को भेजेगा सिफारिशी चिट्ठी, प्रवेश की अंतिम तिथि समाप्त

राज्य के नर्सिंग कॉलेजों में बीएससी की सीटों पर प्रवेश के लिए बनाए गए नियम की वजह से हर साल कॉलेज प्रबंधन, काउंसिलिंग कमेटी और प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ती है। नियमों की इस उलझन की वजह नर्सिंग की प्रवेश प्रक्रिया भी पांच से छह महीने में पूरी होती है। इस बार भी ऐसा ही कुछ किए जाने की तैयारी है। वर्तमान में निजी नर्सिंग कॉलेजों में बीएससी की करीब 4 हजार सीटें रिक्त हैं, जिन्हें भरने के लिए न्यूनतम अंक कम करने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। खाली सीटों के लिए 50 और 40 परसेंटाइल वाले नियम को शिथिल कर 20 किए जाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए निजी नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मिलकर अपनी ▶▶|शेष पेज 13 पर

पिछली बार 5 परसेंटाइल

पिछले साल खाली सीटों पर एडमिशन 5 परसेंटाइल के आधार पर पूरा किया गया था। इस प्रक्रिया को पूरा करने में फरवरी तक का समय लगा था। इसके पूर्व के सालों में प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक के प्रावधानों को खत्म किया जाता था। करीब छह साल पहले बीएससी की शिक्षा में सुधार के लिए नर्सिंग काउंसिल द्वारा प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक का नियम लाया गया था। इस नियम के लागू होने के बाद से लेकर अब तक एक बार भी इसका पालन पूरी काउंसिलिंग में नहीं हो पाया है।

आधा दर्जन शासकीय कॉलेज और खोलने की तैयारी

राज्य में नर्सिंग के अभी शासकीय स्तर पर आठ कॉलेज का संचालन हो रहा है। आने वाले दिनों में आधा दर्जन कॉलेज और खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रदेश में निजी नर्सिंग कॉलेजों की संख्या 122 के लगभग है। कॉलेजों की संख्या बढ़ने के साथ बीएससी की सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी, जो अभी साढ़े सात हजार है।

अलीगढ़ ले जाते 13 मवेशियों के साथ पकड़ा गया ट्रक ड्राइवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीडीनगर पुलिस ने एक ट्रक मालिक-चालक को मवेशी तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। ट्रक में मवेशी लोड कराने वाला आरोपी फरार है। पुलिस आरोपी की पतासाजी में जुटी हुई है। गोसेवकों ने तस्कर को मवेशी तस्करी करते पकड़ा और ट्रक चालक को पुलिस के हवाले किया। घटना शनिवार-रविवार दरमियानी रात की है। मवेशी तस्करी के आरोप में पुलिस ने हरियाणा निवासी दीपक शर्मा को गिरफ्तार किया है। ट्रक में मवेशी लोड कराने वाला नईम खान फरार है। दीपक ने 13 मवेशियों को अलीगढ़ ले जाने ट्रक में लोड किया था। एक मवेशी की दम ▶▶|शेष पेज 13 पर

हजार किलोमीटर की दूरी खड़े-खड़े तय करनी थी

मवेशी से भरे ट्रक की जांच की गई तो उनकी हालत देख पुलिस चौंक गई। मवेशियों के गले में रस्सी इस ढंग से बांधी गई थी कि मवेशी बैठ ही नहीं सकते थे। मवेशियों के गले में रस्सी बांधने के बाद दूसरे सिरा ट्रक के ऊपर के एंगल में बांधा गया था। रायपुर से अलीगढ़ की दूरी 11 सौ किलोमीटर के करीब है। ऐसे में मवेशियों को इतनी लंबी दूरी खड़े होकर तय करनी थी। दीपक के खिलाफ पुलिस ने तस्करी सहित पशु क्रूरता अधिनियम की धारा के तहत अपराध दर्ज किया है।

महिला बीएलओ से हाथापाई, नाम दूसरे बूथ में चढ़ने से नाराज होकर की मारपीट

मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खम्हारडीह थाने में एक महिला बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने एक अन्य महिला के खिलाफ अपने ऑफिस में घुसकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बीएलओ के साथ बदसलूकी तथा मारपीट करने की यह दूसरी घटना है। महिला एक अन्य बीएलओ से एड्रेस की जानकारी लेकर वहां मारपीट करने पहुंची थी। घटना शनिवार दोपहर 3 से 4 बजे के बीच की है। शक्तिनगर उपरवारा निवासी वंदना सोनी ने अज्ञात महिला के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज ▶▶|शेष पेज 13 पर

पता पूछकर मारपीट करने पहुंची महिला

हरिभूमि ने वंदना से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि मारपीट करने वाली महिला को वे नहीं पहचानतीं। मोबाइल पर बात होने के बाद महिला 15 मिनट के अंदर बीएलओ को घर पहुंच गई। वंदना अपने घर के एक कमरे को ऑफिस बनाकर एसआईआर का काम कर रही हैं। अज्ञात महिला ने वंदना के घर पहुंचने के बाद उन पर आरोप लगाते हुए कहा कि तुम्हारा काम घर-घर जाकर फार्म भरना है और तुम घर से काम कर रही हो। इसके बाद उस अज्ञात महिला ने वंदना के साथ मारपीट करते हुए बीच सड़क पर उसकी साड़ी खींची और निकालने की कोशिश करने लगी। घटना का एक व्यक्ति वीडियो बना रहा था। तब उस अज्ञात महिला ने वीडियो बनाने वाले के साथ हाथापाई करते हुए मोबाइल लूटने की कोशिश की। बीएलओ के साथ मारपीट तथा बदसलूकी की यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व अमलीडीह में एक पार्षद द्वारा बीएलओ के साथ बदसलूकी की घटना सामने आ चुकी है।

इग्नू परीक्षा केंद्र सिर्फ रविवि में, 20% बढ़ गए परीक्षार्थी, पहुंचना होगा 30 मिनट पहले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

इग्नू की दिसंबर सत्र की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। 14 जनवरी 2026 तक परीक्षाएं संचालित होंगी। इस बार परीक्षा में पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक छात्र शामिल होंगे। पिछले वर्ष करीब 4 हजार छात्रों ने इग्नू की परीक्षाएं दिलाई थी, जबकि इस वर्ष 5 हजार 200 छात्र यह परीक्षा दिलाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद निजी विद्यार्थियों के लिए भी निर्धारित समय तक के लिए नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा असाइनमेंट भी प्राइवेट छात्रों को सब्मिट करने होते हैं। यही कारण है कि स्वाध्यायी छात्र इग्नू से पढ़ाई करना अधिक सुविधापूर्ण महसूस कर रहे हैं। इग्नू की परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में सर्वाधिक संख्या एमएसडब्ल्यू और रूरल डेव्लपमेंट के छात्रों की है। सरकारी नौकरी में इन पाठ्यक्रमों के मांग के कारण सर्वाधिक आवेदन इनके ही आते हैं। इसके बाद एमबीए की मांग छात्रों में है। स्नातक के साथ-साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए भी पर्याप्त संख्या में छात्र आवेदन करते हैं।

केवल रविवि में केंद्र

स्थानीय केंद्र के रूप में केवल पं.रविशंकर शुक्ल विवि को ही मान्यता प्राप्त है। ऐसे में परीक्षा केंद्र केवल रविवि अध्ययनशाला में ही बनाया गया है। परीक्षा को लेकर राजधानी रायपुर के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र पर कम से कम 30 मिनट पहले प्रत्येक विद्यार्थी को पहुंचना होगा। इग्नू की ओर से जारी आईडी कार्ड व हॉल टिकट के बिना किसी भी विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच तथा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने की सख्त मनाही है। विद्यार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट से अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से समर्थ पोर्टल पर लॉगिन कर हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। अगर किसी परीक्षार्थी को हॉल टिकट डाउनलोड करने या अन्य किसी प्रकार की परेशानी आती है, तो वो इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित होंगी। प्रथम सत्र के पर्चे सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और द्वितीय सत्र के पर्चे दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगे।

नौकरीपेशा युवा अधिक

इग्नू की परीक्षा में शामिल होने वाले युवाओं में उनकी संख्या अधिक है, जो नौकरीपेशा हैं। समय अभाव के कारण वे नियमित कक्षा में नहीं आ पाते और ऑनलाइन पढ़ाई को प्राथमिकता देते हैं।

- प्रो.रविंद्र ब्रम्हे
इग्नू संयोजक, रविवि केंद्र

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

चकल्लस

लौट के बुद्धू घर को आए

जिला शिक्षा कार्यालय के बड़े वाले साहब बहुत दुखी होकर रायपुर छोड़कर गए थे। चूंकि अपनी इच्छा से गए थे, इसलिए लोगों ने सोचा कोई व्यक्तिगत कारण होगा। जिला शिक्षा कार्यालय से पहले बहुत समय तक साहब एक सरकारी स्कूल में राज कर चुके हैं। चूंकि साहब को राजधानी में ही रहने की आदत है, इसलिए कुछ दिनों के अंतराल में ही लौट आए। पुराने वाले काम में तनाव ज्यादा था, तो साहब ने इस बार कम तनाव वाले क्षेत्र को चुना है। वे अब हमारे वेद-पुराणों की भाषा अर्थात संस्कृत में छात्रों को पढ़ाने संस्कृत विद्यामंडल में प्रवेश कर चुके हैं। वैसे साहब की इतनी पहुंच है एक पुराने मंत्री और वर्तमान सासंद के साथ कि उनके जुबान पर ख्वाहिश आने से पहले ही पूरी हो जाती है। सही है, जलवे हो तो ऐसे वरना हो ही ना।

सहेली बनी सौतन

प्राचार्यों पदों के लिए काउंसिलिंग कुछ दिनों के लिए टल गई थी, लेकिन जोड़-तोड़ के बाद फिर से नई तिथि जारी हुई और सबको पद आवंटित हो गए। आदेश भी जारी हो गया। 6 माह से इंतजार कर रहे प्राचार्य अब खुश हैं, लेकिन एक वर्ग दुखी हो गया है। यह दुखी वर्ग वो है, जो काउंसिलिंग रुकने पर खुश था। क्या है कि प्रदेश में शिक्षकों के अधिकार के लिए झंडा उठाने वालों के भी अपने वर्ग हैं। इनमें जो दो मुख्य गुट हैं, उनमें से एक के मुखिया का नाम सूची में नहीं था। दूसरे वाले गुट के मुखिया का नाम सूची में था। बस अब खुद ही समझ लीजिए, क्यों सुख-दुख का सिलसिला चल रहा है।

नौ दिन चले अढ़ाई कोस...

एक पुरानी कहावत छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सियासत पर इस समय खरी उतर रही है, ये है नौ दिन चले अढ़ाई कोस। यह इसलिए कि पार्टी ने लंबी तैयारी कर संगठन सृजन का प्लान बनाया। पूरे प्रदेश के शहर-जिला के अध्यक्षों की नए सिरे से नियुक्ति के लिए संगठन सृजन अभियान चलाया। पर्यवेक्षक तय कर जिलों में भेजे गए। काफी कवायद के बाद अध्यक्षों की सूची भी आ गई। अब इसमें देखने समझने वाली बात ये सामने आई कि जितने भी अध्यक्ष बने हैं, वे हर जिले के प्रभावशाली नेताओं की पसंद के हैं। अरे भईया, अगर यही करना था तो बड़े नेताओं से नाम लेकर दो दिन में ही सूची जारी कर देते। अढ़ाई कोस चलना ही था तो नौ दिन चलने की जरूरत ही क्या थी?

रसातल में जमीन

छत्तीसगढ़ में सरकार ने जमीनों की गाइडलाइन दरों और रजिस्ट्री शुल्क में बेतहाशा वृद्धि कर दी है। जिस जगह की कीमत 400 रुपए थी, उसे बढ़ाकर एक हजार रुपए कर दिया गया। अब जमीन की कीमत के साथ रजिस्ट्री के लिए भी बड़ी रकम देनी होगी। जब सरकार ने यह बदलाव किया तो अफसरों को भी शायद इस बात का अंदाजा नहीं रहा होगा कि इसके साइड इफेक्ट क्या होंगे, लेकिन अब तो ये साफ दिख रहा है कि रेट अधिक होने के कारण जमीन बेचने वाले बेच नहीं पा रहे हैं, खरीदने वालों के लिए सौदा मुश्किल है, जो जमीन खरीद चुके, उनके लिए रजिस्ट्री कराना भारी महंगा सौदा बन गया है और हां, जो लोग बरसों-बरस से जमीन जायदाद की खरीदी बिक्री का धंधा कर रहे हैं, वे बेचारे तो सारे ही सड़क पर आ गए हैं।

गाइड लाइन में करेक्शन

गाइडलाइन दरों और रजिस्ट्री में बेतहाशा इजाफे का इतना विरोध होगा, ऐसा शायद सिस्टम ने नहीं सोचा होगा।बिल्डर और जमीन के धंधे से जुड़े लोग ही नहीं, आम आदमी भी विरोध में उतर आया है। खबरी बता रहा था कि सत्ताधारी दल में इससे नाराजगी है, कार्यकर्ता कह रहे हैं कि इतना तो नहीं बढ़ाना था। उसके बाद अब गाइड लाइन में करेक्शन की चर्चा शुरू हो गई है। जिस तरह बिजली की दरों में विरोध के बाद बदलाव किया गया था वैसा ही कुछ गाइड लाइन में हो सकता है। भाजपा व्यापारियों और उद्योगपतियों को नाराज नहीं करना चाहेगी, आखिर वे भाजपा के परमानेंट समर्थक और वोटर हैं।

परिसर चकाचक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर प्रवास में उनको कुशाभाऊ ठाकरे परिसर आने का आमंत्रण दिया गया था। संगठन को उम्मीद थी कि उनके आमंत्रण पर पीएम आएंगे। ऐसे में ठाकरे परिसर को चकाचक किया गया। लेकिन पीएम नहीं पहुंचे। पीएम का फोकस पूरी तरह डीजीपी-आईजी कान्फ्रेंस पर रहा। सुबह से शाम तक वे व्यस्त रहे और निजी मुलाकात केवल मुख्यमंत्री और उनके परिवार से की। जो भी हो, पहले से ही चमकदार कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और चमक गया है।

दो बूथों में नाम, किसका है यह काम

एसआईआर का काम चल रहा है। राजधानी रायपुर में 2003 की जो मतदाता सूची है, उसमें थोक में कई मतदाताओं के नाम दो बूथों में हैं। इसके लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? खबरी बता रहा था, जिन मतदाताओं के नाम 2003 में रायपुर ग्रामीण की मतदाता सूची के जिस बूथ में थे, बाद में जब विधानसभाओं का परिसीमन किया गया तो रायपुर पश्चिम अलग विधानसभा बनने पर कई मतदाताओं के नाम एक बूथ से दूसरे बूथ में किए गए, लेकिन पुराने बूथ से चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं के नाम हटाना जरूरी नहीं समझा जिनका नाम दूसरे बूथों में जोड़ दिया गया था। अब एसआईआर में मतदाता अपने बूथ का नाम जिस बूथ में खोजकर रख रहे हैं, बीएलओ उनके बूथ का नाम कोई बता रहे हैं, तब मालूम हो रहा है कि उनका नाम दो बूथों में है।

चिरकुट अस्पताल

आयुष्मान में लफड़ा करने वाले अस्पतालों की लिस्ट आ गई है। बैन करने से पहले उन्हें नोटिस दिया गया है। रायपुर के तीन बड़े अस्पतालों के नाम इसमें हैं। मतलब सिर पीटने का मन करता है। तीनों अस्पताल रोजाना लाखों करोड़ों कमाने वाले हैं। एक अस्पताल केंसर इलाज के लिए जाना जाता है। दूसरा सुपर स्पेशियल्टी के लिए। तीसरा भी भारी भरकम सेटअप वाला है और खूब कमाई करता है। लेकिन आयुष्मान के हजार-दस हजार वसूलने के लिए चिरकुटाई कर डाली है। शिकायत के बाद अब उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब के बाद बैन...।

भारी पड़ी फाइल अटकाने की आदत

स्वास्थ्य विभाग के एक शीर्ष स्तर के अधिकारी को हटाए जाने के कारणों को लेकर विभागीय स्तर पर चर्चा जोरों पर है। विभागीय अफसरों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित निर्णय लेने के बजाय फाइल को अटका देने की आदत उनके नाम तबादला सूची में शामिल किए जाने का कारण बना। इस बार फाइल स्वास्थ्य मंत्री और सचिव की सहमति के बाद निर्देश जारी करने के लिए उनकी टेबल तक आई थी। अफसर की आदत के अनुसार फाइल टेबल पर पड़ी रह गई और मामला मीडिया की सुर्खियों में आ गया। डैमेज कंट्रोल करना था, इसलिए अधिकारी को दूसरे विभाग का रास्ता दिखा दिया गया।

चंदे वाली सर्जरी

स्वास्थ्य विभाग के कर्ता-धर्ताओं का सिर गर्व से ऊंचा करने वाले सरकारी अस्पताल की चंदे वाली सर्जरी दबी जुबान में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस ऑपरेशन को करने के लिए कुछ महंगे उपकरणों की जरूरत थी। जरूरी उपकरणों पर खर्च ज्यादा होने की वजह से जिम्मेदारों ने लिमिटेशन का तर्क देकर हाथ खड़े कर दिए थे। कुछ ने तो मरीज को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजने का सुझाव भी दे डाला था। मरीज की जान बचानी थी और अस्पताल की इज्जत भी, सो संवेदनशील चिकित्सकीय स्टाफ ने अपने-अपने हिसाब से मिल-जुलकर अंतर की राशि एकत्रित की। सफल हुए ऑपरेशन ने मरीज को नया जीवन दिया, साथ ही सरकारी अस्पताल की दुर्दशा का कड़वा सच भी सामने ला दिया।

दुर्ग की घटना से सबक नहीं ले रहे

खाकी की आड़ में कमाई करने वाले नए-नए नुस्खे निकाल ही लेते हैं। इसके लिए उनको अपने थाना क्षेत्र से भले ही बाहर क्यों न जाना पड़े। ऐसे लोग दुर्ग की घटना से अब तक सबक नहीं लिए हैं लगता है। खबरी के अनुसार तेलीबांधा का रहवासी किसी दूसरे एरिया में जाकर पान ठेला में सिगरेट, गुटका बेचता है। खाकीधारी ने सिगरेट, गुटका बेचने वाले को धर लिया। बैग की तलाशी ली। बैग में जो सिगरेट था उसे नकली होना बताया। इसके बाद खाकीधारी ने अपने रौबदार अवाज में धमकी देकर उस गरीब एजेंट को अंदर करने की धमकी देकर 30 हजार रुपए वसूल लिया। इतने में मन नहीं भरा तो एजेंट से उस दुकानदार का नाम जानकर दुकानदार के दुकान में धमक गया। खबरी के अनुसार दुकानदार ने पचड़े में फंसने एक लाख रुपए ढीला कर खाकी से अपने पिंड छुड़ाया।

खजाना फिर भी रीता ...

कार्पोरेशन का खजाना भरने जितने अफसर, नेता उतने प्लान उतनी ही बड़ी योजना बनाकर ऐसी डींग हांकते हैं कि जनता यकीन कर लेती है। एक ने बूढ़ातालाब को प्रदेश का सबसे बड़ा रमणनीय स्थल बनाने 29 करोड़ तामझाम में फूंकवा डाले, न तालाब सुंदर बना न फूटी कौड़ी आमद हुई। उल्टा अब मेंटनेंस भारी पड़ रहा है। एक मैडम ने गोलबाजार को ही बेचकर खजाना भरने जोर लगाया, बात नहीं, दूसरे नेता उसी जगह का मालिकान हक दिलाने आगे आए। कम तो वो भी नहीं थे सो हांक दिए कार्पोरेशन का 500 करोड़ खजाना में जाएगा। ये सब तो हुआ नही, खजाना फिर भी रीता, यह किसी एक पार्टी का ट्रेक नहीं है, जो सत्ता में आता है, उसे दंडवत की मुद्रा में खैरात लाने आका के पास हाजिरी लगानी ही होती है।

हल्ला गुल्ला मचाओ जनता देखेगी ...

पांच साल तक जनता पर राज करने वाले मेंबर एक झटके से शहरी सरकार से आउट। गिनती के इलेक्शन जीतकर दोबारा मेंबर आए। तो उनके पास न मेजोरिटी है, न शहर को समझ पा रहे। सो खाटी मेंबर ने अपने चंगू-मंगू को पब्लिक से पूछवा भेजा कि जनता क्या चाहती है? जनता ने मौके पर चौका मारा कहा बिजली बिल, जमीन बेचने खरीदने की नई गाइड लाइन, चौपाटी एक ढूंढो अनेक मिलेंगे। तब से नेताजी के बात पल्ले पड़ गई कि हल्ला गुल्ला मचाओ, जनता देखेगी। अपोजिशन वाले निश्चिंत है कि इक्का दुक्का तोपचंद रिरिया सकते हैं, ज्यादा चूचपड़ की तो इलाके के डेवलपमेंट का फंड बंद कर देंगे।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा
विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा।

बड़े भवन, मल्टीप्लेक्स, अस्पताल, होटल बनेंगे एनर्जी एफिशिएंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब अगर दो हजार वर्गमीटर से अधिक का कोई बड़ा भारी भवन हो, मल्टीप्लेक्स, अस्पताल या कन्वेशन सेंटर हो, इस तरह के सभी निर्माण को अब एनर्जी इफिशिएंट यानी ऊर्जा दक्षता वाला बनाना होगा। इस तरह के सभी भवनों पर ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (सीजीईसीबीसी) के प्रावधान लागू होंगे। राज्य सरकार ने यह बदलाव लागू करने के लिए, छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम-1984 में बदलाव कर दिया है।

ये है मामला

राज्य सरकार ने भूमि विकास नियम में ये जो बदलाव किया है, वह दरअसल एक रिफार्म (सुधार) के लिए किया है। सरकार का मानना है कि राज्य में अब जो भी बड़े या विशालकाय भवन, जैसे 2 हजार वर्गमीटर से अधिक और बड़े भूभाग में बनने वाले संस्थान, ऊर्जा दक्षतायुक्त होने चाहिए। इस तरह से बनने वाले भवनों को सरकार रिवार्ड और इन्सेंटिव भी देगी।

- अब भूमि विकास नियम में बदलाव
- सरकार देगी इन्सेंटिव, मिलेगा रिवार्ड

कभी भी हो सकेगी जांच

छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम के प्रावधान अनुसार, सक्षम प्राधिकारी किसी भी नए भवन, परिवर्धन या परिवर्तन परियोजना के लिए, भवन के निर्माण के दौरान किसी भी चरण पर प्रगति निरीक्षण कर सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवन, संहिता का अनुपालन करता है।

यहां लागू होगी ऊर्जा दक्षता और हरित रेटिंग प्रणाली

ऊर्जा दक्षता भवन के संबंध में आवासीय भवनों के लिए ईको निवास संहिता (ईएनएस) एवं वाणिज्यिक एवं कार्यालयीन भवनों हेतु छत्तीसगढ़ ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (सीजीईसीबीसी) के प्रावधान लागू होंगे। यह संहिताएं उन भवनों पर लागू होंगी, जिनका निर्मित क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर से अधिक है और कुछ श्रेणियों के भवन, जैसे मल्टीप्लेक्स, अस्पताल, होटल और कन्वेंशन सेंटर, चाहे उनका निर्मित क्षेत्रफल कुछ भी हो, संहिताओं का अनुपालन करेंगे। साथ ही भवन अनुज्ञा अनुमोदन के समय, बिल्डर, स्वामी, डेवलपर, संबंधित शहरी स्थानीय निकाय, नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय को संहिता के अनुपालन की अनिवार्य आवश्यकता का पालन किए जाने के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत करेंगे।

होगा ये फायदा

आवास एवं पर्यावरण विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि को बताया कि यह बदलाव लागू होने से बड़े आकार के भवन इन्वायरमेंट फ्रेंडली होंगे। इससे यहां बिजली की खपत कम होगी। भवन के अंदर भी बिजली का उजाला अधिक नहीं करना होगा। पानी का खर्च भी कम होगा।

पेश करना होगा प्रमाणपत्र

पूर्णता एवं अधिभोग प्रमाणपत्र जारी करते समय, बिल्डर, स्वामी, डेवलपर, उक्त संहिता के प्रावधान अनुसार अधिकृत तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा जारी अनुपालन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, जिसमें यह सत्यापित किया जाएगा कि भवन का निर्माण संहिता के अनुरूप किया गया है। अनुपालन प्रमाणपत्र और छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 के अंतर्गत अन्य आवश्यक अनुमोदन प्रस्तुत करने के पश्चात, पूर्णता एवं अधिभोग प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

जातीय समीकरण के आधार पर की गई नियुक्ति

कांग्रेस जिला अध्यक्षों में ओबीसी वर्ग का दबदबा, अन्य वर्गों को भी प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एआईसीसी ने संगठन सृजन अभियान के तहत 41 जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति की है। सूची में आरक्षित तबकों का विशेष महत्व दिया गया है। वहीं पांच महिलाओं को भी इस बार अवसर दिया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों में पांच यादव समाज से हैं। साहू और कुर्मी व कलार समाज से तीन-तीन अध्यक्ष नियुक्त हुए हैं। जातीय समीकरण देखें तो तीन-तीन ब्राह्मण, तीन राजपूत और अन्य सामान्य वर्ग से अध्यक्ष बनाए गए हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से 4-4 अध्यक्ष बनाए गए हैं।

5 नवनियुक्त अध्यक्ष सामान्य वैश्य एवं कायस्थ समाज से आते हैं। इनमें अशोक श्रीवास्तव कायस्थ (एमसीबी), प्रदीप गुप्ता बनिया (कोरिया), राजेश अग्रवाल मारवाड़ी (जांजगीर-चांपा), आशीष छाबड़ा सिख (बेमेतरा), रवि घोष बंगाली कायस्थ (कोंडागांव) हैं। क्षत्रिय राजपूत मनोज सिंह चौहान (कोरबा ग्रामीण) राकेश ठाकुर (दुर्ग ग्रामीण), सुरजीत सिंह ठाकुर (एमएमसी) हैं।

जैन-मलयाली-तमिल भी शामिल

ब्राह्मण समाज से 3 नाम शामिल किए गए हैं, इनमें बालकृष्ण पाठक (सरगुजा), सुधांशु मिश्रा (बिलासपुर शहर), प्रेमशंकर शुक्ला (जगदलपुर ग्रामीण) हैं। जैन-मलयाली-तमिल-धीरज बाकलीवाल जैन (दुर्ग शहर), सलीम राजा उस्मानी मुस्लिम (दंतेवाड़ा) एक मलयाली श्रीकुमार मेनन (रायपुर शहर), एक तमिल जितेंद्र मुदलियार राजनांदगांव हैं।

सूची में आरक्षित तबकों को विशेष महत्व दिया गया

अन्य पिछड़ा वर्ग से ये नाम

साहू समाज के लोगों को संगठन पर्याप्त स्थान दिया गया है। इनमें मुकेश राठौर तेली क्षत्रिय (कोरबा शहर), चंद्रेश हिरवानी साहू तेली (बालोद), कोमल साहू तेली (केसीजी) हैं। अन्य पिछड़ा-ताराचंद देवांगन कोष्टा (सारंगढ़ बिलाईगढ़), घनश्याम वर्मा लोधी (मुंगेली), सुशील मौर्य कुशवाहा (जगदलपुर शहर), लालू राठौर बंजारा (बीजापुर) हैं। कलार-नागेन्द्र नेगी (रायगढ़ शहर), नवीन जायसवाल (कवर्धा), राजेश दीवान (नारायणपुर), रश्मि गबेल (सक्ती), तारिणी चंद्राकर (धमतरी), मुकेश चंद्राकर (भिलाई नगर) हैं। यादव समाज से आने वाले अध्यक्ष द्वारकाधीश यादव विधायक (महासमुंद), हरिहर यादव (बलरामपुर), शाखाराम यादव (रायगढ़ शहर), विपिन यादव (राजनांदगांव ग्रामीण), बसंत यादव (कांकेर) हैं।

- साहू और कुर्मी व कलार समाज से तीन-तीन अध्यक्ष नियुक्त हुए
- जातीय समीकरण देखें तो तीन-तीन ब्राह्मण, तीन राजपूत और अन्य सामान्य वर्ग से अध्यक्ष बनाए गए
- अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से 4-4 अध्यक्ष बनाए गए

शशि को सूरजपुर की कमान

एससी से चार अध्यक्ष बनाए गए हैं। महेंद्र गंगोत्री सोनकर (बिलासपुर ग्रामीण) सुमित्रा घृतलहरे सतनामी (बलौदाबाजार), सुखचंद बेसरा महार (गरियाबंद), राजेंद्र पप्पू बंजारे सतनामी (रायपुर ग्रामीण) हैं। एसटी से शशि सिंह कोर्राम गोंड (सूरजपुर), उत्तम दान मिंज उरांव (जशपुर), गजमती भानु भैना (जीपीएम), हरीश लखमा गोंड (सुकमा कोंटा) हैं।

भाजयुमो का निकलेगा आज तिरंगा मार्च

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत के विषय को लेकर आयोजित सरदार 150 युनिटी मार्च में प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के नेतृत्व में शामिल छत्तीसगढ़ के 75 युवाओं की टोली सोमवार को रायपुर लौटेगी। भाजयुमो की यह टीम 'नर्मदा प्रवाह' महाराष्ट्र के नागपुर से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश के बैतूल, इंदौर से गुजरात के दाहोद बडोदरा होते हुए केवड़िया स्थित स्टैच्यु ऑफ युनिटी तक गई थी। इस टोली की छत्तीसगढ़ वापसी पर मोर्चा द्वारा सोमवार को विशाल तिरंगा मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च रेलवे स्टेशन से फाफाडीह चौक, मौहदा पारा होते हुए जयस्तंभ चौक पर पहुंचकर समाप्त होगा।

डाकघर कार्यालय में पेंशन अदालत 8 दिसंबर को

रायपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा डाक विभाग के पेंशनरों की समस्याओं और शिकायतों के निपटारे के लिए 8 दिसंबर को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह अदालत सुबह 11 बजे से लगाई जाएगी। यह जानकारी संभाग के प्रवर अधीक्षक डाकघर ने देते हुए बताया कि डाक विभाग के पेंशनर, जिनकी पेंशन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या एवं शिकायत है, वे पेंशन अदालत में अपनी समस्या शिकायत के निपटान के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

- डॉ. रमन समेत प्रदेश के कई मंत्रियों-विधायकों ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

सीएम साय बोले- मन की बात देश की सामूहिक चेतना का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा, मन की बात देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी मन की बात के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा, आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण, नेवल म्यूजियम, नेचर फॉर्मिंग के महत्व, तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पीएम के अनुभव का खजाना देता है सीख : डॉ. रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और मन की बात के माध्यम से वे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देशवासियों तक पहुंचाते हैं। उनके अनुभवों का खजाना हमें यह सीख देता है कि 'लोकल को ग्लोबल' कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, आज का दिन विशेष है, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं रायपुर में मौजूद हैं और इसी दौरान हमें मन की बात सुनने का अवसर मिला। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, लक्ष्मी रजवाड़े, गुरु खुशवंत साहेब, विधायक किरण सिंह देव, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, पूर्व विधायक आरंग नवीन मार्कण्डेय, विभिन्न निगम-मंडलों एवं आयोगों के अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

नेचर फॉर्मिंग की प्रदेश में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, आज के मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियां अत्यंत प्रेरक हैं।

मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस आज से अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक पारदर्शिता और समयपालन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 1 दिसंबर से मंत्रालय में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि 1 दिसंबर से आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से ही अवर सचिव और उनसे वरिष्ठ समस्त अधिकारियों की कार्यालय में उपस्थित होने और कार्यालय पश्चात वापस जाने के समय उपस्थिति दर्ज की जाए।

आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के लिए मोबाइल में आधार बीएएस एप के माध्यम से अथवा प्रवेश द्वार के पास स्थापित बायोमेट्रिक डिवाइस या कंप्यूटर में थम्ब स्कैनर का उपयोग करते हुए उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

- जीएडी ने जारी किया आदेश, दो बार देनी होगी उपस्थिति

20 नवंबर से चल रहा था ट्रायल रन

मंत्रालय में एईबीएएस का अनिवार्य ट्रायल रन 20 नवंबर से शुरू हो गया था। पारदर्शिता बढ़ाने, समयपालन सुनिश्चित करने और प्रशासनिक कार्यकुशलता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार ने महानदी भवन और इंद्रावती भवन, दोनों में इस सिस्टम को लागू करने की घोषणा की थी। अब ट्रायल रन सफल होने के बाद 1 दिसंबर से मंत्रालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए एईबीएएस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा।

शिवसेना ने किया डीआरएम का घेराव, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

रायपुर। रेलवे प्लेटफार्म नंबर-7 को निर्माण के लिए 470 करोड़ का ठेका छत्तीसगढ़ से बाहर के ठेकेदारों को बुलाकर दिया गया, जिसमें ठेकेदार, इंजीनियर, टैक्नीशियन, यहां तक मजदूरों को भी बाहर से लाकर काम कराया जा रहा है।

इसका शिवसेना ने विरोध जताते हुए डीआरएम को इन सभी मुद्दों से अवगत कराया। स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित करने का आरोप लगाया। अन्य राज्य के लोगों को बुलाकर रोजगार दिया जा रहा है। इस मुद्दे पर डीआरएम से लंबी चर्चा हुई, जिस पर उन्होंने तुरंत इस मुद्दे को जायज बताया और तुरंत कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही ठेकेदारों को निर्देश देने की बात कहते हुए लोगों को रोजगार देने की बात पर सहमत हुए। शिवसेना ने मांग की कि पहली प्राथमिकता स्थानीयों निवासियों को मिलनी चाहिए।

बस्तर पंडुम-2026 : गृहमंत्री शर्मा ने ली बैठक, तैयारियों की समीक्षा

- 12 विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी, विजेताओं को करेंगे पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली जनजातीय संस्कृति, कला, परंपराओं और लोकविधाओं को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंच देने के उद्देश्य से राज्य सरकार आगामी वर्ष 'बस्तर पंडुम 2026' का भव्य आयोजन करने जा रही है।

इसी सिलसिले में शनिवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के सरकारी निवास में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें आयोजन से जुड़े सभी प्रमुख विभागों ने अपनी तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, विभागीय सचिव रोहित यादव, संचालक विवेक आचार्य, बस्तर पंडुम के नोडल अधिकारी युगल किशोर और मंत्री अग्रवाल के ओएसडी जितेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ

अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम की समयसीमा, आयोजन के चरण, प्रतिभागियों की संख्या और प्रतियोगिताओं के प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया।

12 प्रमुख जनजातीय विधाओं में प्रतियोगिताएं

'बस्तर पंडुम 2026' में बस्तर की पारंपरिक कला-शैली और जनजातीय जीवन पद्धति को केंद्र में रखकर कुल 12 विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें पारंपरिक नृत्य बस्तर गीत जनजातीय रीति-रिवाज वाद्ययंत्र वादन जनजातीय शिल्प पारंपरिक व्यंजन जनजातीय वेशभूषा चित्रकला आंचलिक साहित्य जनजातीय नाट्य आभूषण निर्माण पेय पदार्थ एवं वन-औषधि प्रदर्शन इन सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन जनपद, जिला और अंत में संभाग स्तर पर किया जाएगा।

तीन चरणों में होगा आयोजन

राज्य सरकार ने 'बस्तर पंडुम 2026' को तीन चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया है।
पहला चरण: जनपद स्तर — 5 से 15 जनवरी 2026
दूसरा चरण: जिला स्तर — 20 से 25 जनवरी 2026
अंतिम चरण: संभाग स्तर — 1 से 5 फरवरी 2026
प्रत्येक चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती सुनीता शर्मा पति श्री श्रवण कुमार शर्मा, निवासी-नगर निगम, गौरा-चौरा के सामने, बिरगांव, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. की निवासी हूं जो कि मेरे स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक मकान जो कि वाके मौजा-बिरगांव, प.ह.नं.-101, रा.नि.मं. - धरसींवा-1, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में ख.नं.-221/35 के भाग पर निर्मित है। उपरोक्त संपत्ति के संबंध में राजेश कुमार पाण्डे पिता राम झुल पाण्डे, निवासी-नागेश्वर नगर, वार्ड क्र. - 30, बिरगांव, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. के द्वारा मुझको धोखे में रखकर व गुमराह कर पूर्ण तथ्यों की जानकारी दिये बिना एक नोटराईज मुख्त्यार नामा दिनांक 13/05/2025 को निष्पादित कराया गया है, उपरोक्त मुख्त्यारनामा के आधार प्रदान किये गये संपूर्ण अधिकार व दिनांक 13/05/2025 को निष्पादित मुख्त्यारनामा को इस आम सूचना के माध्यम से निरस्त करती हूं।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण आम जनता, बैंक, शासकीय एवं अशासकीय संस्था, वित्तीय संस्थाये इत्यादि को सूचित किया जाता है उपरोक्त भूमि को किसी प्रकार से क्रय-विक्रय या अन्य रीति से कोई कोई संव्यवहार ना करे, यदि किसी प्रकार से कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह मुझ पर बंधनकारी नहीं होगा ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक-

भवदीय
श्रीमती सुनीता शर्मा
पति श्री श्रवण कुमार शर्मा
निवासी-नगर निगम, गौरा-चौरा के सामने,
बिरगांव, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग.
मो.नं.-

खबर संक्षेप

गुरुदर्शन मेला के लिए आज सतनामी समाज की बैठक

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के पास स्थित बारा डेरा तुलसी में छरछेरा पुन्नी में आयोजित होने वाले 3 दिवसीय गुरू दर्शन मेला को लेकर 1 दिसंबर सोमवार को 2 बजे गुरुद्वारा परिसर में गुरु अमर दास संत संघ समिति द्वारा मेला को लेकर बैठक रखा गया है। जिसमें मेला समिति के अध्यक्ष नारायण प्रसाद कुर्रे ने भंडारी सढीदार सामाजिक कार्य करता पंथी ,चौका ,भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम के कलाकारों को सामाजिक बैठक में सम्मिलित होने की अपील किया।

सैकड़ों स्कूल प्रधानपाठक विहीन, पदोन्नति की मांग

आरंग। लंबी प्रतिक्षा के बाद मिडिल प्रधान पाठकों के व्याख्याता पद पर पदोन्नत होने से एक बार फिर सैकड़ों मिडिल स्कूल प्र.पा. विहीन हो गए हैं, जबकि पहले से ही अधिकांश पू.मा. शालाओं का संचालन प्रभारियों द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में हज़ारों की संख्या में 18–20 वर्षों से एक ही पद पर कार्यरत शिक्षक एल.बी. पदोन्नति की राह देख रहे हैं, वहीं 1998 बैच के हज़ारों शिक्षक अब सेवा निवृत्ति की कगार पर हैं। मिडिल स्कूलों में, खासकर ग्रामीण अंचल की शालाएं प्रधान पाठक विहीन हैं और प्रभारियों के द्वारा शालाओं का संचालन हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार विगत तीन वर्षों से प्रधान पाठक के पदों पर पदोन्नति नहीं हो पाई है। प्रदेश के चारों संभागों में मिडिल स्कूलों में प्रधान पाठकों की पदोन्नति हो चुकी है, किन्तु रायपुर संभाग में प्रमोशन पर ग्रहण लगा हुआ है, जबकि कानूनी अड़चनों को दूर कर लिया गया है।

लखौली में जियो टावर लगा फिर भी नेटवर्क है बदहाल, उपभोक्ता परेशान

आरंग। ग्राम पंचायत लखौली में जियो का टावर स्थापित होने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि नेटवर्क और इंटरनेट सेवा बेहतर होगी, लेकिन इसके उलट स्थिति पहले से अधिक खराब हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कॉल कनेक्ट नहीं होती, जरूरी फोटो और दस्तावेज़ डाउनलोड नहीं होते, और नेटवर्क बार-बार डाउन हो जाता है। इसके कारण गांव पूरी तरह डिजिटल सेवाओं से कट-सा गया है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शिकायत करने के लिए ग्रामीणों के पास जियो कंपनी के किसी भी अधिकारी का संपर्क नंबर उपलब्ध नहीं है। न तो स्थानीय स्तर पर कोई प्रतिनिधि है और न ही टावर के संचालन की निगरानी करने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी आता है। इससे लोगों में कंपनी की कार्यशैली को लेकर नाराज़गी बढ़ती जा रही है।

निधन

बुधराम निषाद

आरंग। रामनगर चौक लोधीपारा आरंग निवासी सेवानिवृत शिक्षक एवं पूर्व संकुल समन्वयक, निषाद समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी बुधराम निषाद 77 वर्ष का गत दिवस निधन हो गया। वह उमा बाई निषाद के पति, ओमप्रकाश निषाद, टीकम निषाद के पिताजी थे।

आसमान में अद्भुत नजारे ने चौंकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

शनिवार की शाम सूर्यास्त से ठीक आधा घंटा पहले आसमान में दिखा आश्चर्यजनक दृश्य लोगों को रोमांचित कर गया। लगभग शाम 4.30 बजे आसमान में रॉकेट जैसी गति से गुज़रती चमकीली वस्तु के पीछे बनी मोटी चमकदार लाइन ने आसमान को कुछ देर के लिए दिपदिपा दिया। यह अद्भुत दृश्य सूर्यास्त तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता रहा, जिसे लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। जिनके पास इस दृश्य के फ़ोटो उपलब्ध हैं, उन्होंने बताया कि चमकीली रेखा क्षितिज के पास फैलती हुई बादलों के बीच एक अनोखी रोशन पट्टी की तरह नज़र आ रही थी। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ी, उसकी आकृति बदलती हुई दिखाई दी, जिससे यह नज़ारा और भी रहस्यमय लगने लगा। अचानक आसमान में उभरी इस चमकदार लाइन को देखकर लोग घरों से बाहर निकल आए और सड़कों पर भी कई लोग आसमान की ओर फ़ोन उठाए नज़र आए। सोशल मीडिया पर भी इस अद्भुत क्षण की तस्वीरें तेज़ी से वायरल हो रही हैं। लोगों का कहना है कि

यह किसी रॉकेट या उपग्रह प्रक्षेपण का प्रभाव हो सकता है, हालांकि प्रशासनिक स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। शाम के धुंधलके में दिखाई दिया यह चमत्कारिक आसमानी नज़ारा देर तक लोगों की चर्चा का केंद्र बना रहा।

क्रिसमस से पूर्व एडवेंट संडे मनाया, चर्चों में की रौशनी और हुईं प्रार्थना सभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

■ सेंट थामा चर्च और एजी चर्च में आज होंगी बड़े दिन के आगमन पर विशेष प्रार्थना सभाएं

शहर में क्रिसमस की तैयारी रविवार से को शुरू हो गई पहले एडवेंट संडे पर मसीही समाज के घरों सहित शहर के सेंट थामा और एजी दोनों चर्च में बड़े दिन के रूप में उत्सव मनाने की शुरुआत हुई। दोनों चर्च को रंगीन रोशनी से सजाया गया है . एडवेंट संडे आशा थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर प्रार्थना सभा सहित अनेक आयोजन किए गए।

सेंट थामा चर्च और एजी चर्च में 30 नवंबर को बड़े दिन के आगमन पर विशेष प्रार्थना की जाएगी। मीडिया प्रभारी ने बताया कि चर्च के फादर प्रमेन्द्रसिंग और अजय मसीह के सानिध्य में सुबह 10 से प्रार्थना सभा हुई। पहले एड्वेंट संडे से ही मसीही समाज के घरों में आकर्षक क्रिसमस स्टार टांगना, नवीन सजावट सहित क्रिसमस केक के लिए केक मिक्सिंग की परंपरागत रस में शुरू हुई। मिशन अस्पताल परिसर के सेंट थामा चर्च के रेव्ह प्रमेन्द्रसिंग ने बताया कि एडवेंट का काल प्रभु यीशु के जन्मोत्सव के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझाने का समय है .पहले एड्वेंट संडे को आशा, 7 दिसंबर को दूसरा संडे शांति, 14 दिसंबर को आनंद और 21 दिसंबर वाले संडे को प्रेम के दिव्य संदेश को जीवन में उतारने की प्रेरणा के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान विशेष प्रार्थना सभाएं केरोल्स, चर्चो में क्रिसमस ट्री, रंगीन लाइट और सजावट भी होगी, संडे स्कूल के बच्चे विशेष कैरोल सिंगिंग को तैयारियों में जुट चुके हैं।पहले रविवार के आगमन परमिशन अस्पताल के डायरेक्टर सुजय तांडी.का उद्बोधन हुआ ..इस मौके पर महिलाओ के द्वारा वेलकम कार्यक्रम का आयोजन किया।

ग्रामीण स्वास्थ्य की आधारशिला मितानिनों का सम्मान सेहत का देता है संदेश

दोंदेखुर्द समारोह में 150 मितानिनों का साड़ी भेंट कर किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला मानी जाने वाली मितानिन कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आज दोन्दे खुर्द में अभूतपूर्व और भव्य 'मितानिन सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सविता चंद्राकर की विशेष पहल पर आयोजित यह कार्यक्रम क्षेत्र की 150 मितानिनों के अथक प्रयासों को समर्पित था।

मुख्य अतिथि के रूप में धरसींवा विधायक और प्रसिद्ध कला जगत के हस्ताक्षर श्री अनुज शर्मा ने शिरकत की। सम्मान समारोह का मुख्य आकर्षण वह पल था जब विधायक अनुज शर्मा और श्रीमती सविता चंद्राकर ने मिलकर क्षेत्र की सभी 150 मितानिनों को साड़ी भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। सम्मान पाते ही मितानिनों के चेहरे पर गर्व और खुशी की लहर दौड़ गई। यह सम्मान उनके निसार्थ सेवाभाव, घर-घर जाकर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सफल बनाने के प्रति समाज के आभार का प्रतीक था। इस अवसर पर मितानिनों को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

मितानिन बहनें देवदूत से कम नहीं : अनुज शर्मा

मुख्य अतिथि विधायक अनुज शर्मा ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में मितानिनों की तुलना देवदूत से की। उन्होंने कहा, /"आप लोग सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं हैं, बल्कि आप ग्रामीण परिवारों के लिए उम्मीद की किरण हैं।

एक माँ, एक बहन, या एक बेटी के रूप में आप अपने दायित्वों के साथ-साथ, समाज के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी उठाती हैं। जब भी कोई मुश्किल आती है, आप सबसे पहले आगे खड़ी रहती हैं। मुझे गर्व है कि मुझे आपके बीच आकर, आपके त्याग और मेहनत को नमन करने का अवसर मिला।/" उन्होंने आश्वासन दिया कि मितानिनों के मानदेय और सुविधाओं से जुड़ी मांगों को वह शासन स्तर पर पूरी मजबूती से उठाएंगे।

हर मितानिन बहन मेरी प्रेरणा : सविता चन्द्राकर

कार्यक्रम की आयोजक जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सविता चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में मितानिनों के संघर्षों को याद किया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, /"ग्रामीण क्षेत्रों में काम करना आसान नहीं होता। कठिन रास्तों पर चलना, विपरीत परिस्थितियों में भी घर-घर दस्तक देना, और हर परिवार को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना – यह सब सिर्फ पैसे के लिए नहीं, बल्कि सच्चे मन की सेवा भावना से ही संभव है। मेरी हर मितानिन बहन मेरी प्रेरणा है। यह छोटा सा सम्मान उनकी विशाल सेवा के सामने कुछ भी नहीं है, उन्होंने मितानिनों से अपील की कि वे एकजुट होकर कार्य करती रहें और क्षेत्र को स्वस्थ बनाने के मिशन को जारी रखें।

सांस्कृतिक क्रार्यक्रमों और खेलकूद के तड़के से माहौल हुआ उत्सवी

सम्मान के साथ-साथ, कार्यक्रम में मनोरंजन और संस्कृति का भी विशेष ध्यान रखा गया,स्थानीय मितानिन बहनों ने मिलकर पारंपरिक सुवा गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे छत्तीसगढ़ी लोक-संस्कृति की खुशबू पूरे पंडाल में फैल गई वही उल्लास को बढ़ाने के लिए मितानिनों के लिए विशेष रूप से कुर्सी दौड़ और गुब्बारा फोड़ जैसे मनोरंजक खेल आयोजित किए गए। इन खेलों में मितानिनों ने पूरे उत्साह से भाग लिया, जिससे समारोह का माहौल हंसी और ठहाकों से गूंज उठा।

इनकी भी रही उपस्थिति

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, भाजपा अध्यक्ष श्री श्याम नारंग, जिला पंचायत सभापति शौरव गुरु ,शैल महेंद्र साहू जिला पंचायत सभापति, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला ढीलेन्द्र सेन,उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे, जनपद सदस्य प्रीति भरत सोनी,ग्राम सरपंच अशोक साहू,कुरूद सिलयारी सरपंच श्रीमती रूखमणी साहू, पुष्पा बंजारे, अरविंद ठाकुर,मितानीन ब्लाक अध्यक्ष रूखमणी साहू,लता वर्मा सहित भारी संख्या में मितानीन उपस्तिथ थे।

जीवन प्रमाणपत्र फर्जीवाडे पर पेंशनधारी संघ ने किया सतर्क

■ पेंशनधारी कल्याण संघ का 24 वां प्रांतीय महासम्मेलन 17 दिसम्बर को बलौदाबाजार में

तिल्दा-नेवरा। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के पेंशनरों की नियमित मासिक बैठक कर्मचारी भवन तिल्दा में सम्पन्न हुई .बैठक में भारतीय स्टेट बैंक शाखा नेवरा के शाखा प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव विशेष रूप से शामिल हुए हुए .उन्होंने जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया में पेंशनभोगियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है ताकि साइबर ठगी से बचाव सुनिश्चित किया जा सके उन्होंने कहा नवंबर का महीना पेंशनभोगियों के लिए खास होता है। इस दौरान रिटायर्ड कर्मचारी अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करते हैं ताकि पेंशन की किस्तें समय पर मिलती रहें। उन्होंने पेंशनर साथियों से आह्वान किया कि डीएलसी की आड़ में साईबर अपराध से बचें। कोई व्यक्ति यदि आपको फोन करके ओटीपी मांगता है तो उसे न बताए। बैंक शाखा में जाकर अपना जीवन प्रमाण पत्र पूरा करें। श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य बीमा युवर हेल्थ, युवर कव्हर फार युवर गोल्डन ईयर्स के संबंध में जानकारी प्रदान करते बताया कि 56 से 80 आयु समूह के साथी अपना स्वास्थ्य बीमा एसबीआई से करा सकते हैं।

बैठक में संघ के महासचिव अभिमन्यु वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ का 24 वां प्रांतीय महासम्मेलन 17 दिसम्बर 2025 को जिला शाखा बलौदाबाजार-भाटापारा के आडिटोरियम में आयोजित किया गया है. मंत्री टंकराम वर्मा के मुख्य आतिथ्य होने वाले इस कार्यक्रम में 80 वर्ष से ऊपर के पेंशनर साथियों का विशेष सम्मान किया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष डाक्टर डी. पी. मनहर करेंगे। पेंशनधारी कल्याण संघ के महासचिव मुबारक हुसैन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर माह इस तरह के आयोजन होने से संगठन की शक्ति मजबूत होती है।अध्यक्ष के आह्वान पर भवन में कुर्सी की व्यवस्था के लिए नंदनी खिचरिया,लक्ष्मी साहू,संघ के कोषाध्यक्ष लेवन प्रसाद वर्मा,यशवंत वर्मा, मालिकराम वर्मा, हेतलाल देवांगन ने एक-एक हजार, रामकुमार वर्मा ने 2 हजार,और हेमंत कुमार नायक और द्रोण कुमार वर्मा ने सहर्ष पांच-पांच सौ रुपये का दान दिया।

बैठक में जवाहर लाल सिरमौर, एस. एन. गुप्ता, एस. आर. नंदी, हरीराम वर्मा ईश्वर लाल वर्मा, रघुनंदन लाल शांडिल्य, घनश्याम वर्मा तुलसीराम वर्मा बलीराम यादव, सुकालूराम यादव,रामकुमार वर्मा, बाजारलाल साहू,लेखराम कुंभकार चिंताराम वर्मा, सिध्देश्वर सिंह बैस, सूर्यदीन कुरे, माधवप्रसाद पांडेय, प्रताप सिंह धुव, रामजी वर्मा डीजनलाल निरमलकर, रामलाल वर्मा, कमलनारायण वर्मा, अनुरूध्द वर्मा गोपाल प्रसाद वर्मा, फेकूराम

भागवत कथा में शामिल हुए मानस पदाधिकारी

आरंग। अगहन मास में ग्राम अड़सेना के सरपंच डॉ. तेजराम पाल के सान्निध्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक बालयोगी विष्णु अरोड़ा भगवताचार्य, श्रीराम चरित मानस कथा वाचक के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा—भगवान कृष्ण जन्म, पूतना वध, शकटासुर वध, तृणावर्त राक्षस वध, माखन चोरी—की पावन कथा को ग्रामीण जनमानस में आध्यात्मिकता, धार्मिकता, सामाजिकता से जोड़कर श्रवण पान कराया गया। अधिक से अधिक संख्या में ग्रामीण लोग पहुंचकर कथा श्रवण पान कर अपने जीवन को सार्थक बना रहे हैं।

सरपंच तेजराम पाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ में मां कौशल्या जिला मानस संघ के पदाधिकारी—सचिव पोयम शरण साहू, संचालक अशोक साहू, सलाहकार हीरालाल साहू, भगवताचार्य पंडित संतोष तिवारी ने बालयोगी संत शिरोमणि विष्णु अरोड़ा को व्यासपीठ पर शाल, श्रीफल से सम्मान एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

बंजारे ने धाम व माता का लिया दर्शनलाभ

सिलयारी। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने आज सतनाम पंथ के परम पवित्र तीर्थ बाराडेरा धाम में परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी तथा चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर में मां कौशल्या के दर्शन कर पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर

नगर निगम रायपुर के पार्षद जयंत साहू, चंदखुरी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश ठाकुर, संयुक्त महामंत्री रंजीत गायकवाड़ कांग्रेस सेक्टर प्रभारी अरुण लहरी जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव खेम देवांगन गुरु अमर दास दर्शन मेला के सर्वकारा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जनक खेलवार सेत प्रकाश जांगड़े जागेश्वर कुर्रे तुलसी के पूर्व सरपंच टूमन धीवर जागेश्वर तोड़े भगोली राम धीवर

डिगेश टंडन प्रेम सुल्तान संतराम नारंग सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।राजेंद्र पप्पू बंजारे ने दर्शन के बाद कहां कि बाबा गुरु घासीदास जी, संत कबीर साहेब जी एवं मां कौशल्या का आशीर्वाद हमें सत्य, समानता और सेवा का मार्ग दिखाया है। इस पवित्र आशीर्वाद के साथ हम रायपुर ग्रामीण की जनता की हर समस्या को लेकर संघर्ष करेंगे और कांग्रेस को और मजबूत बनाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल का सांकरा में स्वागत किया

तरपोंगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सांकरा (सड्डू) में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धरसींवा राज द्वारा आयोजित राज अधिवेशन में शामिल होने पहुंचे थे।

बघेल ने उपस्थित ग्रामीण व कार्यकर्ताओं से खेती किसानी व धान खरीदी संबंधित से हाल-चाल जाना। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष राम गिडलानी, रायपुर जिला कांग्रेस ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष उधोराम वर्मा, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवव्रत नायक, जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण

उपाध्यक्ष सुनील सोनी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा ग्रामीण अध्यक्ष बलदाऊ साहू, सुहेला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूनेश्वर वर्मा, जनपद सदस्य प्रतिनिधि शत्रुहन यदु, सरपंच प्रतिनिधि एवन पाटिल, उप सरपंच राजकुमार यदु, हरि मारकंडे, राकेश वर्मा, पूर्व सरपंच चंडीराम पाल,कामता वर्मा, भरत लाल वर्मा, रूपकुमार साहू, पार्थ कश्यप, राम सुहागिल निर्मलकर, बेदराम ध्रुव,परेटन यादव, सोनू चान्द्रे,कृष्ण कुमार वर्मा,दुकल्हा ध्रुव, सेवा यादव, परशु यादव,बलराम भट्ट, सुरेंद्र सोनी, गगन कश्यप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेज 11 के शेष

किस पर करें भरोसा....भाठागांव...

राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहा है। दूसरी ओर बस स्टैण्ड के मुख्य द्वार की ओर लगे एयर क्वालिटी इंडेक्स का आंकड़ा वहां की हवा को संतोषजनक बता रहा है। वहां का एआईक्यू डेटा 79 तक पहुंच रहा, जो स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के मापदंडों के हिसाब से संतोषजनक है। हवा में उड़ने वाली धूल और एआईक्यू का संतोषजनक डेटा आमतौर पर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है।

टाटीबंध में मध्यम...

जहां प्रदूषण मापी यंत्र लगाए हैं। सिलतरा इलाके में फैक्ट्री तथा यहां से गुजरने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं भी वहां की हवा को प्रदूषित कर रहा है।

बादल के साथ दिन में...

महसूस हुई। इसके उल्टे बादल की वजह से रात के तापमान में बहुत बदलाव नहीं हुआ। राज्य में रात का औसत तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी का प्रभाव एक दो दिन बने रहने की संभावना है। इससे रात के न्यूनतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने के आसार हैं। इसके साथ दिसंबर के महीने में ठंड बढ़ने के साथ उतार-चढ़ाव की स्थिति भी बने रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य का सबसे अधिक तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस दुर्ग का रिकार्ड किया। वहीं न्यूनतम पारा अंबिकापुर का था। रायपुर का न्यूनतम तापमान 14.6 तथा अधिकतम पारा 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

बीएससी की 4000 सीटों के...

समस्याओं से अवगत करा रहा है। अनुमान है कि जल्द ही चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से नर्सिंग कॉलेजों की स्थिति का हवाला देकर न्यूनतम अंक के नियम को शिथिल करने के लिए आईएनसी को पत्र व्यवहार किया जाएगा। आईएनसी परसेंटाइल कम करने के साथ खाली सीटों पर प्रवेश के लिए तारीख बढ़ाने की प्रक्रिया भी पूरी करेगी।

अलीगढ़ ले जाते 13 मवेशियों के...

घुटने से मौत हो गई। दीपक ने पुलिस को बताया कि वह हरियाणा से बिस्किट लोड कर भाटापारा खाली करने के लिए आया था। ट्रांसपोर्टर ने उसे वापसी भाड़ा की व्यवस्था करने की बात कहते हुए नईम के पास भेजा। दीपक ने मवेशी ले जाने से इंकार किया तो नईम ने दीपक को ज्यादा भाड़े का लालच देकर ट्रक में मवेशी लोड करा लिए।

महिला बीएलओ से हाथापाई...

कराई है। वंदना ने पुलिस को बताया कि वह भारत निर्वाचन आयोग के अभियान एसआईआर के लिए घर-घर जाकर फार्म भरवाने का काम कर रही है। घटना दिनांक को वंदना के पास अज्ञात महिला ने वंदना को कॉल कर उसके बूथ में अपना नाम होने का कारण पूछा। इस पर वंदना ने कहा कि पूर्व में किसी ने गलती से उनका नाम किसी बूथ में जोड़ दिया होगा, इसे वे ठीक कर देंगी।

मिश्रित मत्स्य पालन से मत्स्य कृषक बढ़ा सकते हैं आय : सुशील

मिश्रित मत्स्य पालन से किसानों की आय में होगी वृद्धि व प्रशिक्षण का मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

■ मिश्रित मत्स्य पालन प्रशिक्षण हुआ संपन्न, राज्य के अलग-अलग जिलों से 25 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया भाग

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर द्वारा तीन दिवसीय 'मिश्रित मत्स्य पालन' विषय पर प्रशिक्षण का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अलग-अलग जिलों से कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रशिक्षण के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृष्णा चम्पालाल हिरवानी, प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ छ.ग. धीवर समाज महासभा एवं विशिष्ट अतिथि सुशील जलक्षत्री, प्रदेश अध्यक्ष शिक्षा एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ छ.ग. धीवर समाज महासभा एवं मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के छत्तीसगढ़ प्रदेश सचिव पक्की कूर्मा राव के आतिथ्य में

संपन्न हुआ, जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों को अतिथियों के हाथों प्रमाण-पत्र वितरण किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कृष्णा हिरवानी व सुशील जलक्षत्री ने सभी को आगे के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मिश्रित मत्स्य पालन से मत्स्य कृषक अपनी आय बढ़ाकर दोगुनी कमाई कर सकते हैं। मत्स्य पालन से जुड़े कृषक अब आत्मनिर्भर हो रहे हैं। सभी अपने प्रशिक्षण का लाभ लेते हुए इस दिशा में अवश्य आगे बढ़ें। इसके पूर्व उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजय कुमार वर्मा, अधिष्ठाता, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय उपस्थित थे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गौतम रॉय ने अपने उद्बोधन में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में चल रही मछली पालन की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एस. सासमल ने अपने उद्बोधन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान 'मिश्रित मत्स्य पालन पद्धति' विषय पर तैयार तकनीकी बुलेटिन का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा ने कहा कि सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी प्रशिक्षणार्थी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में प्रशिक्षण लेने के लिए आए हैं, यह गर्व की बात है। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के बाद दो सत्रों में मिश्रित मत्स्य पालन पद्धति विषय पर डॉ. एस.आर. गौर, प्राध्यापक एवं तोषण कुमार ठाकुर ने विस्तृत जानकारी दी।

प्राचार्यों ने मांगा कंप्यूटर ऑपरेटर, कहा- अपार, यू डाइस, आधार, छात्रवृत्ति सहित सभी कार्य कर रहे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

6 महीने इंतजार के बाद पदोन्नत हुए प्राचार्यों ने शाला विकास के लिए सुझाव पत्र तैयार किया है। प्राचार्यों ने ऑनलाइन हुई बैठक में विकास कार्यों को लेकर अपने सुझाव रखे। प्राचार्यों की मांग है कि उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर प्रदान किया जाए। प्राचार्यों का कहना है कि प्रत्येक हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल में कंप्यूटर ऑपरेटर हो। अपार आईडी, यू डाइस, आधार, छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, बोर्ड परीक्षा के कार्य, स्थापना की जानकारी सहित कई कार्य लगातार शिक्षकों से कराए जाते हैं। इस कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है और अध्ययन प्रभावित होता है। इसके अलावा विद्यालयों में चपरासी की भर्ती की जाए। प्रदेश में प्यून के हजार से अधिक पद रिक्त हैं। जो पूर्व से कार्यरत हैं, वे पदोन्नति प्राप्त कर सहायक ग्रेड-3 में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में अधिकतर शाला चपरासी विहीन है। इससे रखरखाव व व्यवस्था प्रभावित होती है। प्रदेश के सभी संभागों से पदोन्नति प्राप्त ई व टी संवर्ग के प्राचार्य इस ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। प्राचार्य समूह ने अपनी समस्याओं से शासन व संचालक को अवगत कराने का निर्णय लिया है। अन्य मांगों में संकुल स्तरीय व्यवस्था गठित करते हुए संकुल से वेतन आहरण, नियंत्रण व अनुशासित व्यवस्था लागू करने, प्रत्येक स्कूल के लिए के विकास का प्लान बनाने और तदनुसार स्कूल की व्यवस्था संचालित करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराना शामिल है।

संकुल से वेतन व्यवस्था को लागू करने तथा प्रत्येक विद्यालय की विकास योजना बनाने की मांग

जिला स्तर पर हो समस्याओं का निराकरण

इसके अलावा 2008 के सेटअप को रिवाइस करते हुए प्रत्येक हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल में अनिवार्यता से लिपिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, प्यून, लाइब्रेरियन, पीटीआई व्याख्याता, विज्ञान प्रयोगशाला सहायक व स्वच्छता सहायक के पद सृजित कर पोस्टिंग संबंधित सुझाव भी बैठक में दिए गए। प्राचार्यों ने कहा, वर्तमान पदोन्नति पश्चात प्राचार्य के रिक्त सभी पदों पर पदोन्नति किया जाए। 10% रिक्त प्राचार्य के पद पर सीधी भर्ती किया जाए, शिक्षा स्तर के विकास के लिए स्वच्छ मॉनिटरिंग हो, शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्य से मुक्त रखें ताकि वे बेहतर शिक्षण कार्य कर सकें। शिक्षकों के अधिकार व समस्याओं का सतत निराकरण जिला शिक्षा अधिकारी स्तर पर किया जाए।

जांच के बाद हो कार्रवाई

थोड़ी सी शिकायत या व्यवस्था बिगड़ने पर प्राचार्य पर अनावश्यक कार्यवाही नहीं की जाए, बल्कि प्रथमतया उसकी जांच कराई जाए, तत्पश्चात निर्णय लिया जाए।छग शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, प्राचार्य पद शिक्षा विभाग, प्रशासन, शिक्षा स्तर और शिक्षकों के बीच एक कड़ी होता है प्रदेश में अब तक प्राचार्य गण अपनी शालाओं तक सीमित देखे गए हैं, ऐसे में प्राचार्य की अपनी भी कई बातें हैं, समस्याएं हैं, सुझाव है, शाला और शिक्षकों के प्रति जिम्मेदारी भी है, हम मिलकर प्राचार्य मंच के माध्यम से शासन व डीपीआई को अवगत कराएंगे। पदोन्नत प्राचार्य शीघ्र परिचय सत्र व सम्मान भी करेंगे।

खबर संक्षेप

कार पार्किंग विवाद पर पिस्टल दिखाकर धमकाया

रायपुर। खम्हारडीह थाने में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति के खिलाफ कार पार्किंग विवाद पर पिस्टल दिखाकर धमकाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एटी प्लाजा निवासी विकास बुद्धिराज ने इम्पीरियल फ्रूट के संचालक के खिलाफ धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई है। विकास ने पुलिस को बताया है कि इम्पीरियल फ्रूट का संचालक उसकी कार के चक्के की हवा निकाल रहा था। विरोध करने पर फ्रूट संचालक ने पिस्टल निकालकर विकास को जान से मारने की धमकी दी।

आपसी विवाद के चलते दो पक्षों में जमकर मारपीट

रायपुर। आजाद चौक थाने में आपसी विवाद के चलते दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामकुंड निवासी सिद्धार्थ सोनवानी ने जायत्री तथा निकिता के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जायत्री ने सिद्धार्थ के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। दोनों पक्षों के बीच आपसी रंजिश के चलते एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की।

तड़ीपार बदमाश धमका रहा था, अपराध दर्ज

रायपुर। आरंग पुलिस ने डीएम के आदेश का उल्लंघन करने पर एक जिलाबदर बदमाश के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरधारी पटेल को एसएसपी की अनुशंसा पर जिला दंडाधिकारी ने तीन माह के लिए जिलाबदर करने आदेश जारी किया है। गिरधारी को 10 नवंबर से जिलाबदर करने आदेश जारी किया गया है, आदेश की तामीली 12 नवंबर को की गई। बावजूद इसके गिरधारी रायपुर के साथ अन्य सरहदी जिलों से बाहर जाने के बजाय क्षेत्र के लोगों को धमकाते हुए घूम रहा था।

निधन

डॉ. विनीत जैन

रायपुर। महावीर नगर निवासी डॉ. विनीत जैन का 30 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 1 दिसंबर को सुबह 10 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. विमलचंद के पुत्र, विकास, विशाल के बड़े भाई और पार्थ, जाह्नवी के पिता थे।

जैबुन्निसा हुसैन

रायपुर। मोवा ईदगाह के पास निवासी जैबुन्निसा उर्फ हज्जन आपा (90) का 30 नवंबर को निधन हो गया। उन्हें 1 दिसंबर सुबह 11 बजे मोवा कब्रिस्तान में सुपुर्दे-खाक किया जाएगा। वे मुख्तार हुसैन, अनवर हुसैन (पूर्व पार्षद), अफलल हुसैन, एजाज हुसैन, मुश्ताक हुसैन, रजिया बेगम की माता थीं।

श्रीधर पाठक

रायपुर। लाखे नगर श्रीराम मंदिर निवासी श्रीधर पाठक का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे श्रीराम मंदिर के पुजारी गणेश दत्त पाठक एवं भार्गव पाठक के भाई थे।

सिरील फर्नांडीस

रायपुर। जीएडी कॉलोनी कचना निवासी सिरील फर्नांडीस (65) का 29 नवंबर को निधन हो गया। वे सुजाता फर्नांडीस के पति और मोनिका, सुयश फर्नांडीस के पिता थे।

अब 1.72 लाख सरकारी दफ्तरों में मीटर लगेंगे, डेडलाइन दिसंबर तक

अब तक लगाए गए 50 फीसदी स्मार्ट मीटर सरकारी दफ्तर में लगाने की डेडलाइन बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं के मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। सबसे पहले सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का आगाज बीते साल फरवरी से किया गया था। पहले करीब एक लाख तीस हजार सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने थे, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है।

पंचायत स्तर पर भी जो सरकारी दफ्तर हैं, उनमें भी स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। अब 1.72 लाख सरकारी दफ्तरों में मीटर लगेंगे। ऐसे में अब इसकी डेडलाइन दिसंबर कर दी गई है। पहले अगस्त में सभी दफ्तरों में मीटर लगाने जरूरी थे। केंद्र सरकार की कड़ाई के बाद अब मीटर लगाने में तेजी आई है, अन्यथा सवा साल में तो दस फीसदी दफ्तरों में भी स्मार्ट मीटर नहीं लग पाए थे। इधर प्रदेश के 60 लाख उपभोक्ताओं में से 50 फीसदी के कनेक्शनों में ही स्मार्ट मीटर लग सके हैं। इसकी डेडलाइन भी दिसंबर है, लेकिन तय डेडलाइन तक सभी उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगने संभव नहीं हैं। सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगने

की रफ्तार धीमी होने की जानकारी केंद्र सरकार को होने पर केंद्र सरकार के विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस मामले में भारी नाराजगी जताई थी। इधर केंद्र सरकार की नाराजगी को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस साल के अंत तक सभी उपभोक्ताओं के भी स्मार्ट मीटर को भी बदलने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन अब तक सामान्य उपभोक्ताओं के करीब 30 लाख मीटर बदले गए हैं। इनके करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगने हैं। ऐसे में महज एक माह में बचे 30 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने संभव नहीं होंगे।

सरकारी विभागों पर बड़ा बकाया

बिजली बिल जमा करने के मामले में प्रदेश के सरकारी विभाग ही बेलगाम हैं। इन पर कितना भी बिल बकाया हो जाए, इनका कनेक्शन कट नहीं किया जाता है, लेकिन आम उपभोक्ता का थोड़ा-सा बकाया होने पर पॉवर कंपनी के कर्मचारी कनेक्शन काटने पहुंच जाते हैं। हाल ही में 40 हजार से ज्यादा आम उपभोक्ताओं की बिजली कट की गई तो उपभोक्ताओं ने 25 करोड़ जमा किए। इधर पॉवर कंपनी हमेशा से सरकारी विभागों पर बकाया को लेकर परेशान रही है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद कभी भी ऐसा नहीं हुआ है कि सरकारी विभागों पर बकाया पूरी तरह से समाप्त हो गया हो। इस समय भी सरकारी विभागों पर करीब ढाई हजार करोड़ बकाया है।

सरकारी मीटरों का दायरा बढ़ा

प्रदेश में करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके लिए टाटा और जीनस कंपनी को ठेका मिला है। 55 लाख से ज्यादा आम उपभोक्ताओं के मीटर लगने हैं। इसी के साथ दो लाख से ज्यादा ट्रांसफार्मरों में मीटर लगेंगे। इसी के साथ पहले 129332 सरकारी दफ्तरों में मीटर लगने तय किए गए थे। सवा साल में महज दस फीसदी दफ्तरों में ही मीटर लग पाए थे। केंद्र सरकार की नाराजगी के बाद इसकी रफ्तार बढ़ाई गई। इसी के साथ इसका दायरा भी बढ़ाया गया है। अब पंचायत स्तर के भी सरकारी दफ्तरों को शामिल करने के कारण दफ्तरों की संख्या भी 1.72 लाख हो गई है। इसमें से करीब सवा लाख दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार की तय डेडलाइन दिसंबर तक बचे सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूरा होने की संभावना है।

हड्डी रोग विशेषज्ञ-डीन डॉ. विनीत जैन का आकस्मिक निधन

चिकित्सा जगत में शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ आंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक और सोटो के पहले अध्यक्ष भी रहे

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विनीत जैन का रविवार की दोपहर हृदयाघात से निधन हो गया। कोरोनाकाल में आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालने वाले डॉ. जैन आर्थो विभागाध्यक्ष भी रहे। उन्होंने राज्य अंग एवं उतक प्राधिकरण के पहले अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी। उनके आकस्मिक निधन से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। डॉ. जैन अपने सरल स्वभाव के लिए पहचाने जाते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस करने के बाद उन्होंने ऑल इंडिया के प्री-पीजी 2 रैंक हासिल कर मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से हड्डी रोग विशेषज्ञ की पढ़ाई पूरी की थी। रायपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज में संविदा चिकित्सक के रूप में कार्य करते हुए वे सीजीपीएससी सलेक्ट होकर असिस्टेंट प्रोफेसर बने। यहां लंबे समय तक सेवा के दौरान कोरानाकाल में चिकित्सा अधीक्षक के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद वर्ष 2022 में हड्डी रोग विभागाध्यक्ष के रूप में तीन साल काम किया। इस दौरान उन्होंने राज्य अंग एवं उतक प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए अतुलनीय प्रयास किया। करीब 14 माह पहले उन्हें मेडिकल कॉलेज रायगढ़ के डीन के रूप में पदस्थ किया गया था।

नए ट्रेड लाइसेंस में मनमानी वृद्धि चैंबर ने जताया विरोध, कार्यकारिणी बैठक में कई अहम निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ आजीवन सदस्यों के सदस्यता शुल्क में 31 मार्च के बाद होगा संशोधन

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नए ट्रेड लाइसेंस को लेकर शुल्क संरचना में मनमानी वृद्धि का विरोध किया है। संरचना शुल्क 4 से 6 रुपए निर्धारित की गई है, पहले 630 का स्थिर शुल्क लिया जाता था, जो अब 1000 वर्गफीट के तिमंजिला प्रतिष्ठान पर करीब 18,000 रुपए तक पहुंच रहा है। यह छोटे व्यापारियों पर असंगत आर्थिक बोझ है।

छत्तीसगढ़ ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी की बैठक बॉम्बे मार्केट स्थित चौधरी देवीलाल व्यापार एवं उद्योग भवन में हुई। जहां कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें चैंबर के आजीवन सदस्यों का सदस्यता शुल्क 31 मार्च 2026 तक यथावत 3500 रुपए, इसके बाद सदस्यता शुल्क में संशोधन किया जाएगा। नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नए भवन के लिए 5 हजार वर्गफीट जमीन की जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ ऑफ कॉमर्स कार्यकारिणी की दूसरी बैठक शनिवार को चैंबर कार्यालय के सभा भवन में हुई। इसमें नए ट्रेड लाइसेंस को लेकर छोटे व्यापारियों पर जबरिया बोझ बताया गया। इसके विरोध में चैंबर एकमत रहा। विषय सूची के अनुसार बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई, जिसमें पिछली कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन के बाद 247 नए सदस्यता आवेदन पत्रों की समीक्षा के बाद स्वीकृति दी गई। 113 सदस्यों द्वारा प्रस्तुत फर्म नाम परिवर्तन, स्थान परिवर्तन एवं प्रतिनिधि परिवर्तन से संबंधित आवेदन पर चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी की अनुमति से अन्य विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्देशित किया गया कि चैंबर द्वारा 31 मार्च 2026 तक जारी किए गए 50% अंशदान का आय-व्यय प्रतिवेदन 30 जून 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा तथा सभी इकाईयां अपने बैंक खातों का विवरण भी उपलब्ध कराएं।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में व्यापारियों द्वारा स्वदेशी अपनाने की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया गया कि आया त्योहार -चलो बाजार ' जैसे अभियानों से स्वदेशी उत्पादों की ओर आम जनता का रुझान बढ़ा है। बैठक में डीआरयूसीसी रायपुर में सदस्य के रूप में नामांकित होने पर चैंबर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र शादीजा को सम्मानित किया गया।

छोटे व्यापारियों के लिए चैंबर प्रतिबद्ध : थौरानी

चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा छोटे व्यापारियों के हित में चैंबर सदैव प्रतिबद्ध है और नियमित रूप से कार्यशालाएं की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि चैंबर एवं छत्तीसगढ़ बार एसोसिएशन की 4 घंटे की मैराथन संयुक्त बैठक से छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। इस अवसर पर चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, संरक्षक पूरनलाल अग्रवाल, लालचंद गुलवानी, सलाहकार सरल मोदी, अरविंद जैन, लखमशी पटेल, अशोक मलानी, गुरजीत सिंह संधू, चेयरमैन गोपालकृष्ण अग्रवाल, वाइस चेयरमैन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी, विकास आहूजा, अमर सुल्तानिया एवं बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, कोरिया, मुंगेली, दल्ली राजहरा, बालोद, महासमुंद, अंबिकापुर, कोरिया, सारंगढ़, तिल्दा, भाटापारा, बेमेतरा, धमतरी, सक्ती, बाराद्वार, बरमकेला, कोरबा, कांकेर, सरायपाली, महासमुंद, नैला, जांजगीर, मनेंद्रगढ़ समेत पूरे प्रदेश के इकाई अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शराब पीने के बाद विवाद, हुई मारपीट

रायपुर। धरसींवा थाना में एक युवक ने दो अन्य युवकों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ललित निषाद ने रामगोपाल तथा जीवन वर्मा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। ललित ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई इंदल, रामगोपाल के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इस दौरान उन दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद शांत होने के बाद दोनों अपने-अपने घर पहुंच गए। घर पहुंचने के कुछ देर बाद रामगोपाल अपने भाई जीवन के साथ ललित के घर पहुंचा और इंदल के साथ मारपीट की।

ब्राह्मणपारा वार्ड के बूथ पर पहुंचे सांसद बृजमोहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ मतदाताओं से ली जानकारी

एसआईआर मतदाता पुनरीक्षण सूची को लेकर रायपुर दक्षिण विधानसभा में ब्राह्मणपारा वार्ड के बूथ पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल मतदाताओं के बीच पहुंचे और पूछा कि फार्म भरने में कोई कठिनाई तो नहीं आ रही है। बहुत से मतदाता ने कहा 2003 की मतदाता सूची में नाम नहीं मिल रहे हैं। इसी दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से कहा, किसी का भी नाम मतदाता सूची में न छूटे और मतदाता सूची में जुड़े सभी लोगों को मतदान करने का हक मिलना चाहिए। बीजेपी जिला उपाध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि मतदाता ऑनलाइन भी अपना फार्म भर सकते हैं और बूथ में भी जाकर अपना फार्म भरने की सुविधा है। सभी को उनके निवास पर फार्म मिल चुका है, जिनका पता बदला है, उन्हीं के नाम अभी तक नहीं जुड़ पाए हैं।

इस अवसर पर पार्षद अजय साहू, मुरली शर्मा, अंबर अग्रवाल, सरिता दुबे, मंडल अध्यक्ष संतोष सोनी, प्रेम बिरनानी, कृष्ण कुमार अवधिया, राजू बिरनानी आदि उपस्थित थे।

छग प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

आईएएस एस. प्रकाश अध्यक्ष, अजीत वर्किंग प्रेसिडेंट, अखिलेश कोषाध्यक्ष एवं महासचिव बने समीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन की 19 सामान्य सभा क्वींस क्लब वीआईपी रोड में हुई। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं सर्वसम्मति से सभी मुद्दों पर सदन ने अपनी सहमति दी।

फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया से चुनाव पर्यवेक्षक अशोक दुधारे, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन से अकरम खान, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्रवेश जोशी शामिल हुए। कार्यकारिणी चुनाव को संपन्न कराने में मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक चुनाव अधिकारी रामजस पाल, कार्यकारिणी सामान्य सभा में सचिव उद्बोधन में बशीर अहमद खान ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कोषाध्यक्ष रामप्रताप गुप्ता में वर्ष 2024-25 की अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की। बशीर अहमद खान ने 2025-26 ने अनुमानित बजट प्रस्तुत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एस. प्रकाश ने कहा कि नवीन कार्यकारिणी में चयनित सदस्य संकल्पित है, फेंसिंग एसोसिएशन छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम देने का प्रयास रहेगा।

ये रहे उपस्थित

इन पदाधिकारियों की उपस्थिति में 2025-29 के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी के रूप में एस. प्रकाश (आईएएस) अध्यक्ष पद पर, चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, उपाध्यक्ष के पद पर सुभाष अग्रवाल, बशीर अहमद खान, कमल रूपरेला, आरती सिंह, सह उपाध्यक्ष कमल कुमार एवं तारकेश मिश्रा, महासचिव पद पर समीर खान, सहसचिव रामप्रताप गुप्ता, निखिल कुमार जांभुलकर, मोहनीश वर्मा, वरुण पांडेय, संतोष साहू, कोषाध्यक्ष पद पर अखिलेश दुबे, कार्यकारिणी सदस्य रमन कुमार साहनी, उमेश सिंह, जुबैर महमूद, आसिम रुम्मन खान तथा छत्तीसगढ़ के एनआईएस कोच वीर हनुमान सिंह, अवार्डी वी. जॉन्सन सोलोमन और एनआईएस कोच प्रवीण कुमार शामिल थे।

पेज 11 के शेष ...

किस पर करें भरोसा..

राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहा है। दूसरी ओर बस स्टैण्ड के मुख्य द्वार की ओर लगे एयर क्वालिटी इंडेक्स का आंकड़ा वहां की हवा को संतोषजनक बता रहा है। वहां का एआईक्यू डेटा 79 तक पहुंच रहा, जो स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के मापदंडों के हिसाब से संतोषजनक है। हवा में उड़ने वाली धूल और एआईक्यू का संतोषजनक डेटा आमतौर पर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है।

टाटीबंध में मध्यम...

जहां प्रदूषण मापी यंत्र लगाए हैं। सिलतरा इलाके में फैक्ट्री तथा यहां से गुजरने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं भी वहां की हवा को प्रदूषित कर रहा है।

बादल के साथ दिन में...

महसूस हुई। इसके उल्टे बादल की वजह से रात के तापमान में बहुत बदलाव नहीं हुआ। राज्य में रात का औसत तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी का प्रभाव एक दो दिन बने रहने की संभावना है। इससे रात के न्यूनतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने के आसार हैं। इसके साथ दिसंबर के महीने में ठंड बढ़ने के साथ उतार-चढ़ाव की स्थिति भी बने रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य का सबसे अधिक तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस दुर्ग का रिकार्ड किया। वहीं न्यूनतम पारा अंबिकापुर का था। रायपुर का न्यूनतम तापमान 14.6 तथा अधिकतम पारा 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

बीएससी की 4000 सीटों के...

समस्याओं से अवगत करा रहा है। अनुमान है कि जल्द ही चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से नर्सिंग कॉलेजों की स्थिति का हवाला देकर न्यूनतम अंक के नियम को शिथिल करने के लिए आईएनसी को पत्र व्यवहार किया जाएगा। आईएनसी परसेंटाइल कम करने के साथ खाली सीटों पर प्रवेश के लिए तारीख बढ़ाने की प्रक्रिया भी पूरी करेगी।

अलीगढ़ ले जाते 13 मवेशियों के...

घुटने से मौत हो गई। दीपक ने पुलिस को बताया कि वह हरियाणा से बिस्किट लोड कर भाटापारा खाली करने के लिए आया था। ट्रांसपोर्टर ने उसे वापसी भाड़ा की व्यवस्था करने की बात कहते हुए नईम के पास भेजा। दीपक ने मवेशी ले जाने से इंकार किया तो नईम ने दीपक को ज्यादा भाड़े का लालच देकर ट्रक में मवेशी लोड करा लिए।

महिला बीएलओ से हाथापाई...

कराई है। वंदना ने पुलिस को बताया कि वह भारत निर्वाचन आयोग के अभियान एसआईआर के लिए घर-घर जाकर फार्म भरवाने का काम कर रही है। घटना दिनांक को वंदना के पास अज्ञात महिला ने वंदना को कॉल कर उसके बूथ में अपना नाम होने का कारण पूछा। इस पर वंदना ने कहा कि पूर्व में किसी ने गलती से उनका नाम किसी बूथ में जोड़ दिया होगा, इसे वे ठीक कर देंगी।

खबर संक्षेप

सीएम साय आज ओडिशा झारसुगुड़ा दौरे पर जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 1 दिसंबर 2025 को झारसुगुड़ा (ओडिशा) दौरे पर जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री शाम 7.20 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से राज्य विमान द्वारा प्रस्थान करेंगे। रात 8.05 बजे झारसुगुड़ा स्थित वीर सुरेंद्र साई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री कार द्वारा शाकुंतलम रॉयल पैलेस, साहापाड़ा बदमाल, झारसुगुड़ा के लिए रवाना होंगे। जहां उनका स्वागत किया जाएगा और 9.15 बजे तक वहां औपचारिक बैठक एवं वार्ता का समय निर्धारित किया गया है।

मंत्री खुशवंत साहेब ने सतनामी महिलाओं को दिलाई शपथ

रायपुर। आदर्श नगर मोवा स्थित गुरुद्वारा भवन में रविवार को सतनाम महिला सेवा समिति आदर्श नगर मोवा की नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। समारोह में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, छग राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष केपी खांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम नारंग, पार्षद देवदत्त द्विवेदी ने शिरकत की। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने महिला समिति की नवनियुक्त अध्यक्ष पुष्पलता जीएल ओगरे, उपाध्यक्ष गुंजा सुरेन्द्र, पप्पू बंदे, सचिव चंपा हेतराम जांगड़े, कोषाध्यक्ष भारती आशुतोष डहरिया, उप कोषाध्यक्ष सुनीता कामता बंजारे, सहसचिव कंचन करण कोसले, मीडिया प्रभारी रामेश्वरी सुखनंदन बंजारे सहित कार्यकारिणी के सदस्यों को बाबा गुरु घासीदास के नाम पर शपथ दिलाई। इसके बाद मंत्री ने सभी पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र का वितरण किया। अध्यक्षता कर रहे विधायक मोतीलाल साहू ने अपनी निधि से 10 लाख रुपए अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद देवदत्त द्विवेदी ने सड़क निर्माण कराने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन चेतन चंदेल एवं सुखनंदन बंजारे ने किया।

सीएम साय से मिला गायत्री परिवार का प्रतिनिधिमंडल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रविवार शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी 9 दिसंबर से 12 दिसंबर तक सक्ती जिले के ग्राम हसौद में 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण के लिए गायत्री परिवार के सदस्यों का धन्यवाद देते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निर्मल सिन्हा, कैलाश साहू, कृष्ण कुमार जायसवाल, आदर्श वर्मा, हेमंत पटेल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एसआईआर की समयसीमा 7 दिन बढ़ाना अपर्याप्त

रायपुर। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अवधि को एक सप्ताह बढ़ाए जाने को कांग्रेस ने अपर्याप्त बताया है। प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस ने राज्य चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ में एसआईआर की अवधि को तीन माह बढ़ाने की मांग की थी। राज्य में वर्तमान में धान कटाई और धान खरीदी-बिक्री का काम चल रहा है। राज्य के बस्तर क्षेत्र में भीषण बाढ़ के कारण लोगों के आवश्यक दस्तावेज बह गए थे, खराब हो गए थे। ऐसे में एक माह की अवधि में एसआईआर को पूरा करना असंभव है। इसलिए भी लोगों को दस्तावेज जमा करने के लिए कम से कम तीन माह का समय दिया ही जाना चाहिए।

निजी विश्वविद्यालयों का होगा 'हिसाब-किताब', बगौर अनुमति बांटी डिग्री तो मान्यता रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों को अपने यहां अध्ययनरत छात्रों की पूरी जानकारी देनी होगी। छात्र किस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है, अध्ययन सत्र सहित विद्यार्थी के उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण होने की जानकारी भी सौंपनी होगी। यह फैसला निजी विवि विनियामक आयोग द्वारा लिया गया है। निजी विश्वविद्यालयों द्वारा फर्जी डिग्री बांटे जाने सहित कई तरह की शिकायतों के बाद यह आदेश जारी किया गया है। नियामक आयोग ने खत जारी कर उन सभी बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसके अंतर्गत प्राइवेट यूनिवर्सिटी अपनी जानकारी प्रेषित करेंगे। निर्धारित अवधि में जानकारी प्रेषित नहीं करने वाले विश्वविद्यालयों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

फर्जी डिग्री बांटने के अलावा अलग-अलग माध्यम से विनियामक आयोग को शिकायत प्राप्त हुई है कि विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित सीटों से अधिक संख्या पर छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनके संचालन की अनुमति नहीं होने के बाद भी निजी विवि उनका संचालन कर रहे हैं और डिग्री वितरित कर रहे हैं। इसे लेकर कई छात्र संगठन बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

फर्जी डिग्री संबंधित शिकायतों के बाद निजी विवि विनियामक आयोग का फैसला

ऑनलाइन अपलोड होगी जानकारी

निजी विश्वविद्यालयों को ये सभी जानकारी विवि विनियामक आयोग को प्रेषित करने के बाद ऑनलाइन भी अपलोड करनी होगी, ताकि कोई भी व्यक्ति वेबसाइट में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकें। संचालित होने वाले पाठ्यक्रम, निर्धारित सीट, पाठ्यक्रम अवधि, शुल्क व अन्य जानकारी अपलोड करने होंगे। यदि निजी विवि में अध्ययनरत छात्रों से तय राशि से अधिक शुल्क लिया जाता है तो वे विनियामक आयोग से शिकायत भी कर सकेंगे। सत्र प्रारंभ होने के दौरान भी नियामक आयोग द्वारा छात्रों और पालकों के लिए अधिसूचना जारी की गई थी।

बायोमेट्रिक्स उपस्थिति की भी तैयारी

निजी विश्वविद्यालयों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रदान कर देते हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति अनिवार्य नहीं होती है। छात्र सीधे परीक्षा में ही शामिल होते हैं। कई विद्यार्थी प्रैक्टिकल परीक्षाओं में भी शामिल नहीं होते हैं। कई छात्र एक ही समय में अलग-अलग संस्थानों से दो डिग्री एक साथ ले रहे होते हैं। इस तरह की शिकायतों के समाधान के लिए छात्रों की बायोमेक्ट्रिक्स उपस्थिति भी आयोग अनिवार्य करने वाला है। इस दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं।

जल वितरण की स्थिति, पाइपलाइन लीकेज की मिनटों में पड़ताल का किया था दावा

45 पानी टंकियों की 'स्कॉडा' से मॉनिटरिंग की योजना फिस्स, लाखों लीटर पानी बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 4 साल पहले बनी योजना हवा-हवाई, 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना ठप

रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र के 45 पानी टंकियों की स्कॉडा सिस्टम से निगरानी की योजना फिस्स हो गई। 4 साल बाद भी नगर निगम का जल विभाग मैनुअल सिस्टम से पानी टंकियों के जल वितरण की स्थिति और टेल एंड तक जल आपूर्ति की जानकारी जुटा रहा है, जबकि स्वचालित वॉल्व लगाकर पानी टंकी का वॉल्व खोलने व बंद होने का सिस्टम अमल में लाना था। हालत ये है कि ज्यादातर पानी टंकियों में डबल वॉल्व की जगह सिंगल वॉल्व होने से सैकड़ों लीटर पीने का शुद्ध पानी सड़क पर फिजूल में बहाने के अलावा कोई विकल्प नगर निगम के पास उपलब्ध नहीं है। शहर के किस पानी टंकी में कितना जल स्टॉक में है, अंतिम छोर तक कितना पानी पहुंच रहा है, इसे पता करने का हाईटेक सिस्टम जल विभाग के पास नहीं है। केवल रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 24 घंटे जल आपूर्ति योजना में मोतीबाग की नई पानी टंकी और गंज पानी टंकी में यह सिस्टम लगाया है, पर यह अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

नगर निगम के 70 वार्डों में जल वितरण की व्यवस्था और उसकी निगरानी का सिस्टम अब तक हाईटेक नहीं हो पाया है। साल 2021 में फिल्टर प्लांट में एक्टेंशन के समय 80 एमएलडी के नए प्लांट को शहरवासियों की 30 साल की जरूरत के हिसाब से तैयार किया गया, जिसमें नगर निगम की सभी पानी टंकियों के पुराने वॉल्व को बदलकर नया स्वचालित वॉल्व लगाने, पानी टंकियों में जल वितरण की स्थिति पर सीधे तौर पर नजर रखने स्कॉडा सिस्टम विकसित करने की योजना रही। इससे फायदा ये होता है कि फिल्टर प्लांट में बने मिनी कंट्रोल रूम और जयस्तंभ चौक के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के उपरी फ्लोर पर संचालित दक्ष सेंटर से एक क्लिक पर सभी पानी टंकियों में प्रतिदिन जल वितरण, टेल एंड तक पहुंचने वाले पानी के प्रेशर की मिनटों में जानकारी विभाग के अधिकारियों को मिल जाती। साथ ही स्कॉडा सिस्टम से पाइपलाइन लीकेज का भी पता लगाना आसान होता, पर निगम के आला अफसरों की उदासीनता के चलते यह योजना 4 साल बाद भी धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाई।

स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने मोतीबाग की नई पानी टंकी और गंज पानी टंकी में स्कॉडा सिस्टम लगाया

पुराने वॉल्व नहीं बदले, सोलर एनर्जी से टंकियां अपडेट नहीं

जल विभाग के अधिकारी का कहना है, योजना के मुताबिक हमें शहर की सभी पानी टंकियों में मैनुअल आपरेट होने वाले पुराने वॉल्व को बदलकर स्वचालित वॉल्व लगाने थे। इसके लिए एमआईसी और सामान्य सभा में प्रस्ताव भी लाया गया, पर आज भी ज्यादातर पानी टंकियों में पुराने वॉल्व से काम चला रहे हैं। उस भी मैनुअल तरीके से आपरेट करना पड़ता है। स्कॉडा सिस्टम में प्रावधान यह भी था कि शहर की जितनी पानी टंकियां हैं, उसे सोलर लाइट से कनेक्ट कर अपग्रेड करना था, यह कार्य अब तक नहीं हुआ है।

2 पानी टंकियों में स्कॉडा 43 में काम बाकी

जल वितरण व्यवस्था की ऑनलाइन निगरानी के लिए स्कॉडा सिस्टम का प्रावधान है। सभी पानी टंकियों में स्वचालित वॉल्व लगाकर सोलर लाइट से वाटर डिस्ट्रीब्यूशन की योजना पर काम होना है। अपग्रेड करने का काम बाकी है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में मोतीबाग और गंज पानी टंकी में स्कॉडा सिस्टम विकसित हो चुका है।

-नरसिंग फरेंद्र
ईई, जल विभाग, ननि रायपुर।

यूपीएससी की परीक्षा में आधे से अधिक गायब सूने रहे केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में आधे से अधिक अभ्यर्थी नदारत रहे। परिणामस्वरूप कई केंद्र सूने-सूने ही रहे। जिले में इसके लिए 4347 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से सिर्फ 1933 परीक्षार्थी ही उपस्थित रहे। परीक्षा के लिए 11 केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा संबधित गोपनीय सामग्री का वितरण सुबह 7 बजे जिला कोषालय कलेक्ट्रेट से किया गया। पीएससी अथवा व्यापम की तरह परिधानों को लेकर विशेष रंग की अनिवार्यता नहीं रही, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचने कहा गया था ताकि उनकी जांच एवं दस्तावेजों का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया।

कठिन रहे गणित के सवाल

अभ्यर्थियों से कई सेशन में सवाल पूछे गए। इसमें सामान्य ज्ञान सहित तकनीक और गणित के सवाल शामिल रहे। तकनीकी सवाल सम-सामयिक रहे। एआई, चैट जीपीटी और जीपीएस जैसे सवाल प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे। गणित के सवाल अन्य प्रश्नों की तुलना में कठिन रहे। यूपीएससी द्वारा आयोजित इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से केंद्र के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

इस तरह के सवाल

- जीपीएस के माध्यम से टारगेट का लोकेशन प्राप्त करने का सही तरीका कौन सा है?
- छाती और फेफड़े के मध्य रहने वाले पदार्थ की प्रकृति किस तरह की होती है?
- फैटी एसिड के संदर्भ में तथ्यात्मक जानकारी।
- कार्बोलिड एसिड किसे कहते हैं?
- चैट जीपीटी के संदर्भ में कौन से तथ्य सही हैं?
- एआई मॉडल बनाने में किस चीज का प्राथमिकता के साथ उपयोग होता है?
- कर्मचारी भविष्य निधि एक्ट संबंधित जानकारी।

कांग्रेस नेता ने लिया जायजा

टोकन कटाने किसान हो रहे परेशान धान बेचने लिमिट बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

धान खरीदी जब से शुरू हुई है, तब से धान बेचने किसानों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान लगातार टोकन ऑनलाइन लेने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन 2 मिनट में लिमिट खत्म हो जाती है, ऑफलाइन केंद्रों में मात्र 30% है, जो लिमिट आधी होने की वजह से 5 किसान में ही टोकन समाप्त हो जा रहा है। किसान चॉइस सेंटर एवं समितियों में चक्कर लगा रहे हैं, किसानों में हताशा और आक्रोश है। किसान लामबंद होकर आंदोलन का रुख अपनाने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। किसान नेता एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि किसानों को आसानी से टोकन उपलब्ध कराएं, बड़े किसानों को भी टोकन उपलब्ध कराएं। खरीदी की लिमिट बढ़ाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को धान बेचने की सुविधा मिल सके। किसान लगातार समितियों एवं ऑनलाइन टोकन के लिए लगे हैं, लेकिन हताशा बढ़ रही है। किसानों द्वारा टोकन के लिए आंदोलन की तैयारी की जा रही है। अब सब्र टूटने पर किसानों के साथ आंदोलन करने विचार किया जा रहा है। किसानों को साथ लेकर आंदोलन किया जाएगा, साथ ही धान के उठाव की भी व्यवस्था की जाए, जिससे समितियां सूखत के नुकसान से बच सकें। उन्होंने कहा कि वहीं ज्यादा धान बेचने वाले किसानों को भुगतान भी नहीं हो पा रहा है।

फर्जी फेडरेशन पर लगेगा ब्रेक, रेलवे भर्ती में अब सिर्फ खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट ही मान्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे ने खेल कोटे की भर्ती में बड़ा बदलाव किया है। अब किसी खिलाड़ी का मेडल तभी मान्य होगा, जब टूर्नामेंट आयोजन की तारीख को आयोजक फेडरेशन के पास खेल मंत्रालय की वैध मान्यता हो। 24 नवंबर 2025 को रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समेत सभी 17 जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र भेजकर यह नई नीति तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। रेलवे बोर्ड के निदेशक स्थापना (खेल) रवि कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि अब रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) किसी फेडरेशन को अलग से मान्यता नहीं देगा।

सर्टिफिकेट की वैधता की जांच सीधे खेल मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट से की जाएगी। टूर्नामेंट की तारीख को यदि फेडरेशन मान्यता सूची में दर्ज है तो मेडल मान्य होगा, अन्यथा खारिज। पहले रेलवे और खेल मंत्रालय दोनों मान्यता देते थे, जिसका फायदा उठाकर कई फर्जी फेडरेशन बनाए गए और उनसे मेडल लेकर लोग नौकरी पा चुके हैं। खेल मंत्रालय से मान्यता खत्म होने के बाद भी बोर्ड से मान्यता चलती रहती थी, जिसका गलत फायदा फेडरेशन उठता था। नई व्यवस्था से यह समस्या खत्म हो जाएगी।

- रेलवे ने खेल कोटे में भर्ती का बदला नया नियम, फेडरेशन मान्यता सूची में दर्ज है तो मेडल मान्य होगा
- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समेत 17 जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को रेलवे बोर्ड ने भेजा पत्र
- सर्टिफिकेट की वैधता की जांच सीधे खेल मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट से की जाएगी

फर्जीवाड़े को रोकने में मिलेगी मदद

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कदम फर्जीवाड़े को रोकने के साथ-साथ वास्तविक प्रतिभा को मौका देगा। भविष्य में आवेदन करने वाले खिलाड़ियों को सलाह दी गई है कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से पहले खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर आयोजक फेडरेशन की मान्यता जरूर जांच लें। जोनल अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड के निर्देश के अनुक्रम में खेल कोटे की भर्ती में यह नियम प्रभावी रहेगा।

हर साल खेल कोटे से 400-500 नियुक्तियां

यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा। पहले से खेल कोटे से नौकरी पा चुके सभी खिलाड़ियों की नौकरी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। रेलवे में हर साल खेल कोटे से लगभग 400-500 नियुक्तियां होती हैं, जिनमें ज्यादातर ग्रुप-सी और कुछ ग्रुप-डी पद शामिल होते हैं। अब इन पदों पर केवल वही खिलाड़ी पहुंच सकेंगे, जिनके मेडल जारी करने वाला फेडरेशन उस समय खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त रहा हो।

चौपाटी को लेकर विकास ने भाजपा नेताओं को दी चुनौती

कहा- समय और तारीख बताएं, खुली बहस के लिए तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने साइंस कॉलेज चौपाटी तोड़े जाने की घटना पर भाजपा नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे को संबोधित करते हुए कहा, आप समय और तारीख बताएं, हम फूड कोर्ट के विषय में तथ्य और दस्तावेज लेकर खुली बहस करने के लिए तैयार हैं। फूड कोर्ट को लेकर कांग्रेस नेताओं ने रविवार को पत्रकारवार्ता साइंस कॉलेज स्थित पुराने चौपाटी स्थल पर की, जिसमें शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, गिरीश दुबे, निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, बंशी कन्नौजे, शांतनु झा, विनोद कश्यप आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेसी नेताओं ने पूछा कि यदि भाजपा फूड कोर्ट को अवैध मानती है तो बूढ़ा तालाब में संचालित चौपाटी पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

दलहन-तिलहन फसलें समर्थन मूल्य पर खरीदने की तैयारी, रबी का रकबा बढ़ने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सहकारी समितियों के माध्यम से होगी खरीदी, किसानों को सीधे लाभ मिलेगा

किसानों की आय में वृद्धि तथा दलहन-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा योजना) अंतर्गत समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन फसलों की खरीदी के लिए व्यापक तैयारी की गई है। सहकारी समितियों के माध्यम से होने वाली इस खरीदी से किसानों को सीधे लाभ मिलेगा। इसके लिए शासन ने अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली, सरसों, चना एवं मसूर की खरीदी हेतु निर्धारित तिथियां घोषित कर दी हैं।

कराना होगा पोर्टल में पंजीयन

कृषि विभाग ने खरीफ और रबी दोनों मौसम में दलहन-तिलहन के उपार्जन को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। फसलों के उपार्जन हेतु शासन द्वारा प्रति एकड़ अधिकतम उपार्जन सीमा निर्धारित की गई है। खरीदी का लाभ लेने के इच्छुक किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित एकीकृत किसान पोर्टल में अनिवार्य रूप से पंजीकरण करना होगा। नाफेड द्वारा प्रदर्शित इस पंजीयन डेटा के आधार पर उपार्जन एवं भुगतान की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जाएगी।

इस माह से शुरू होगी खरीदी

अधिसूचना के अनुसार अरहर और सरसों की खरीदी 15 फरवरी से 15 मई 2026 तक, मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की खरीदी 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2026 तक तथा चना व मसूर की खरीदी 1 मार्च से 30 मई तक की जाएगी। खरीदी कार्य के लिए नाफेड उपार्जन एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

स्वदेशी मेला के लिए भूमिपूजन समारोह

रायपुर। साइंस कॉलेज ग्राउंड में सात दिवसीय 18 से 25 दिसंबर तक स्वदेशी मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले का भूमिपूजन समारोह 1 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे। विशेष अतिथि महापौर मीनल चौबे होंगी। इसके अलावा मेले से जुड़े पदाधिकारियों में मेला संयोजक केदारनाथ गुप्ता, सहसंयोजक जसप्रीत सलूजा, मनीषा सिंह, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, समिति सचिव अमरजीत छाबड़ा, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, आदि उपस्थित रहेंगे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

online Booking:-www.tripuryatra.com

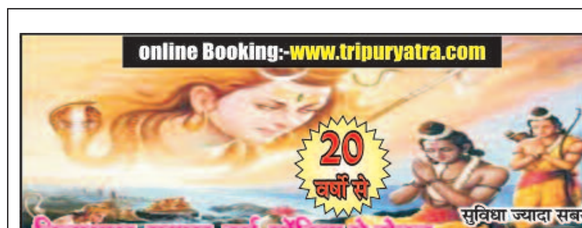

स्पेशल ट्रेन से - 20 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी,
80 शीटें शेष
राशि :- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KOREA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354 411411

हरिभूमि लाइव

रायपुर, सोमवार 1 दिसंबर 2025

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

वेडिंग फंक्शन प्री प्लानिंग से कम बजट ....

लाइव इवेंट

छत्तीसगढ़ी लोककला में दिखी संस्कृति, सुआ-कर्मा ने बांधा समां

रायपुर। बीटीआई ग्राउंड में चल रहे गोंडवाना महोत्सव में रविवार को लोक नृत्य और फोक गीतों की शानदार प्रस्तुतियों से मेला थिरक उठा। विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ की संस्कृति से सराबोर लोक नृत्य और वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों ने समां बांध दिया। मेले में भ्रमण के लिए पहुंचे लोग भी कार्यक्रम स्थल पर रुककर प्रस्तुतियों का आनंद लेते नजर आए। महोत्सव में शनिवार से विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी हैं। इच्छुक प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन कर प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं। अलग-अलग दिन बच्चों से लेकर महिलाओं तक के लिए विशेष प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिससे प्रतिभा को मंच मिलने के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता भी सामने आ रही हैं।

सुआ-कर्मा पर झूमे दर्शक

गोंडवाना महोत्सव के मंच पर रविवार शाम छत्तीसगढ़ की लोककला का जादू छा गया। पारंपरिक सुआ, कर्मा, ददरिया और पंथी-राउत नाचा की शानदार प्रस्तुतियों ने बीटीआई ग्राउंड को संगीतमय और उत्सवमय बना दिया। कलाकारों की ताल, लय और लोक वाद्य यंत्रों की गूंज ने पूरे माहौल को जीवंत कर दिया। जैसे-जैसे शाम ढली, हजारों दर्शकों की भीड़ लोक नृत्य की ऊर्जा में झूमती नजर आई। विशेषकर पंथी और राउत नाचा की ऊर्जावान प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हर उम्र के लोग पारंपरिक संस्कृति के इस रंगीन स्वरूप का आनंद उठाते दिखे।

एचआईवी मरीजों में बढ़ी जागरूकता, समय पर जांच और उपचार

विश्व एड्स दिवस... शासकीय अस्पतालों में हजार रुपए की दवाइयां मुफ्त, एचआईवी मरीजों की उम्र दर में बढ़ोतरी

बदलते दौर के साथ लोगों में एड्स संक्रमण को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार अब एड्स पॉजिटिव आने पर मरीज बिना झिझक अस्पताल पहुंच रहे हैं और समय पर दवाइयों का सेवन कर रहे। कुछ वर्ष पहले तक एड्स की पुष्टि होने पर लोग सामाजिक संकोच के कारण इलाज कराने से हिचकिचाते थे, लेकिन अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है।

रायपुर। शहरवासी अपने बेहतर भविष्य के लिए एड्स की नियमित जांच करा रहे हैं, जिससे संक्रमण का समय रहते पता चल जाता है और उपचार भी प्रभावी ढंग से शुरू हो पाता है। समय पर मिले उपचार से मरीज भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव भी कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार जागरूकता अभियानों, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और सामाजिक सोच में आए बदलाव के कारण एड्स संक्रमण के प्रति लोग जागरूक हुए हैं। आज विश्व एड्स दिवस पर शासकीय अस्पतालों के चिकित्सकों ने एचआईवी संक्रमण के रोकथाम पर कई विशेष जानकारी साझी की। उन्होंने कहा, एड्स संक्रमण से नियंत्रण के लिए लगातार जागरूकता अभियान का संचालन हो रहा, ऐसे में अब ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इसके लिए यौन संपर्क, संक्रमित रक्त, सिरिंज, संक्रमित मां से बच्चे में और टैटू, पियर्सिंग, ब्लेड के संक्रमित रक्त से संक्रमण का खतरा रहता है।

गर्भावस्था में भी नियमित दवाइयों का सेवन करें : विशेषज्ञ

शासकीय अस्पताल से मेडिसिन डॉ. व्योम अग्रवाल ने कहा, एचआईवी संक्रमण के बाद व्यक्ति को निरंतर दवाइयों का उपयोग करना ही होता है। इसमें किसी प्रकार से दवाई बंद नहीं किया जा सकता है। लेकिन, पहले दवाइयों की गुणवत्ता कम होती थी। वर्तमान दौर में बेहतर डोज के साथ दवाइयां मरीजों को उपलब्ध हो रही हैं, जिससे संक्रमण फैलने से रोका जा रहा है। अक्सर गर्भवती महिलाओं की जांच कराई जाती है, ऐसे में एचआईवी पॉजिटिव आने पर उन्हें गर्भावस्था के साथ ही दवाइयां दी जाती हैं। इससे नवजात शिशु को भी संक्रमण होने से बचाया जाता है।

बेहतर दवाइयों से लोगों की उम्र दर बढ़ी

शासकीय अस्पताल से मेडिसिन डॉ. योगेन्द्र मल्होत्रा ने कहा, कुछ साल पहले ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) पॉजिटिव होने पर मरीजों की कुछ समय बाद मृत्यु हो जाती थीं। इसका मुख्य कारण बेहतर दवाई सुविधा अस्पतालों में उपलब्ध न होना था। लेकिन, बदलते वक्त के साथ शासकीय अस्पतालों में मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध की गई हैं। एड्स संक्रमण के लिए 4-5 हजार की महंगी दवाइयां मुफ्त में ही मरीजों की दी जा रहीं। ये दवाइयां कम समय में ही स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो रही हैं, जिससे मरीजों की उम्र दर बढ़ने लगी हैं। पहले जहां 5-6 साल में ही मरीजों की मृत्यु होती थी, अब वे संक्रमण के बाद भी लंबे समय तक जीवित रहने लगे हैं।

एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी से इलाज

शासकीय अस्पताल से मेडिसिन डॉ. शीतल ने कहा, शुरुआती लक्षण में ही अगर मरीज नियमित दवाई और जांच कराए तो संक्रमण में राहत मिल सकता है। इसके लिए अस्पताल में एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी दी जाती है, जिसमें नियमित दवाइयों की सूची तय की जाती है। जिसे हर माह मरीज के स्वास्थ्य अनुसार बदलकर दिया जाता है।

एड्स संक्रमण का शुरुआती लक्षण

- सफेद छाले
- टीवी की समस्या
- लंबे समय तक खांसी
- लंबे समय तक बुखार
- कम समय में वजन घटना

विज्ञान प्रदर्शनी में एंटी-सुसाइड फैन मॉडल बना मुख्य आकर्षण, 200 छात्रों ने हिस्सा लिया

रायपुर। होली हार्ट्स विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने 200 से अधिक आकर्षक और नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और अन्वेषण की भावना को प्रोत्साहित करना था। दर्शकों के बीच प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण रहा कक्षा 6वीं के हिमांशु वरकड़े एवं उनके समूह द्वारा तैयार 'एंटी-सुसाइड फैन' मॉडल। इस मॉडल में विशेष व्यवस्था है कि यदि कोई व्यक्ति पंखे से आत्महत्या करने का प्रयास करे तो पंखे का ब्लेड या हुक स्वतः अलग हो जाएगा। इससे दुर्घटना होने से पहले ही रोका जा सकता है।

प्लास्टिक से सड़क निर्माण का आइडिया

कक्षा छठवीं से तारिणी कुमारी की टीम ने 'कचरे से बिजली उत्पादन' मॉडल तैयार किया, जो कचरे को जलाकर उत्पन्न ऊर्जा से सोलर पैनल चलाकर बिजली उत्पन्न करने में मददगार साबित हो सकती है। कक्षा सातवीं की अनुष्का ने 'प्लास्टिक से सड़क निर्माण' मॉडल ने भी सभी का ध्यान खींचा। इस मॉडल में प्लास्टिक को पीसकर मजबूत और टिकाऊ सड़कें बनाने की प्रक्रिया प्रदर्शित की गई, जिससे प्रदूषण में कमी लाने की संभावना भी दर्शाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह में फिजियोथेरेपिस्ट एवं न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ डॉ. गरिमा श्रीवास्तव मुख्य अतिथि स्वरूप उपस्थित रही। कार्यक्रम में प्रिंसिपल श्नीपा चौहान, शालिनी अग्रवाल और वाइस प्रिंसिपल कमल किशोर अग्रवाल भी शामिल हुईं।

नगपुरा जैनतीर्थ में 13 से पार्श्व प्रभु जन्म दीक्षा कल्याण महोत्सव

रायपुर। तपोभूमि उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में प्रतिवर्षानुसार इस बार भी 13 से 16 दिसंबर तक पार्श्व प्रभु जन्म-दीक्षा कल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ प्रभु का जन्म पोष बद दशमी एवं दीक्षा पोष बद ग्यारस को हुआ था। तीर्थ में तीर्थपति महाप्रभाविक उवसग्गहरं पार्श्वनाथ प्रभु प्रतिष्ठित है। इस परिप्रेक्ष्य में महोत्सव दरम्यान देशभर के सैकड़ो धर्म प्रेमी पोष बद 9, 10, 11 को तीर्थ में रहकर अट्ठम तप (तीन दिवसीय उपवास) की आराधना करते हैं। महोत्सव की जानकारी देते हुए तीर्थ अध्यक्ष गजराज पगारिया ने बताया कि इस महोत्सव में निश्रा प्रदान करने तीर्थ के परमोपकारी, दिव्याशीषदाता व्याख्यान

वाचस्पति, कविकुल किरीट लब्धिसूरी महाराजा समुदाय के गौरव प्रखर प्रवचनकार, शंखेश्वर प्रेमी पूज्यपाद आचार्य विजय महासेन सूरीश्वरजी विशाल साधू-साध्वीवृंद के साथ तीर्थ पधार रहे हैं। भुवन-भानु समुदाय के मुनिप्रवर जयपाल विजयजी, मुनि प्रियदर्शी विजयजी, मुनि तीर्थप्रेम विजयजी की भी समृद्ध उपस्थिति रहेगी। आचार्य विजय राजयश सूरीश्वरजी का दिव्य आशीष, तीर्थहितचिंतक आचार्य विजय वीतरागयश सूरीश्वर का शुभाशीष एवं साध्वी वाचंयमा बेन की असीम कृपा के साथ आज्ञानुवर्तिनी तीर्थ सर्वोदय विकास के लिए समर्पित साध्वी वृंद, लक्ष्ययशा, व्याख्यात्री, लब्धियशा, आज्ञायशा के मार्गदर्शन में महोत्सव के विभिन्न अनुष्ठानों की रूपरेखा के साथ विशिष्ट संरचना किया जाएगी।

सिटी इवेंट

स्टूडेंट्स ने कैंपस में सृजनशील और समस्या उन्मुखी इनोवेशन आइडियाज को किया प्रेजेंट

रायपुर। एनआईटी में संस्थान के द स्टूडेंट वेलबीइंग क्लब द्वारा रचनात्मकता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने वार्षिक कार्यक्रम 'पिच द पिक्यूलियर 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ऐसा मंच प्रदान करना रहा, जहां वे पारंपरिक विचारों से हटकर अनोखे, नवाचारी और प्रभावकारी समाधान प्रस्तुत कर सकें। प्रत्येक टीम को 10 मिनट की प्रस्तुति का समय दिया गया, जिसके बाद इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया। इस इंटरैक्टिव सेशन में प्रतिभागियों को अपने विचारों की व्यावहारिक उपयोगिता और प्रभाव पर गहराई से चर्चा करने का अवसर प्रदान किया गया। टीम शौर्य स्क्वेयर ने ओपन इनोवेशन कैटेगरी के तहत अपनी नवाचारी परियोजना कैम्पस हाइव के साथ जीत हासिल की। कैम्पस हाइव एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जो कैंपस से जुड़े सभी छात्र-गतिविधियों को सुव्यवस्थित करता है। इसका उद्देश्य छात्रों द्वारा झेली जाने वाली समस्याओं जैसे इवेंट अपडेट मिस होना, क्लबों की बिखरी हुई कम्युनिकेशन, नोट्स ढूंढने में कठिनाई और अविश्वसनीय हॉस्टल व पीजी विकल्पों को दूर करना है। कैम्पस हाइव एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। सेंट्रल इवेंट कैलेंडर, क्लब रिक्रूटमेंट और डैशबोर्ड, स्टडी रिसोर्स लाइब्रेरी और हॉस्टल व पीजी डायरेक्टरी। क्लब अधिकारियों के लिए इसमें एक एडमिन पैनल भी शामिल है, जिससे वे इवेंट्स और घोषणाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं।

स्मार्ट लाइब्रेरी ऑटोमेशन सिस्टम को किया प्रस्तुत

लाइब्रेरी में सीट खोजने और पुस्तकों की उपलब्धता से जुड़ी चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हुए टीम एलआईबी ट्रैक ने एक स्मार्ट लाइब्रेरी ऑटोमेशन सिस्टम का प्रस्ताव दिया। इसके प्रमुख फीचर्स में शामिल हैं, हर सीट और पुस्तक पर क्यूआर कोड, जिससे रियल-टाइम उपलब्धता की जानकारी प्राप्त होगी। सीट और बुक मैनेजमेंट को अधिक तेज, सरल और तकनीक-सक्षम बनाना। टीम ने बताया कि उनका उद्देश्य छात्रों के लिए लाइब्रेरी अनुभव को पूर्णतः सहज, समय-कुशल और स्मार्ट बनाना है।

टीम शौर्य स्क्वायर बनी विजेता

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें से टॉप 10 के बीच फाइनल राउंड आयोजित किया गया। इसमें पहला स्थान टीम शौर्य स्क्वायर, दूसरा स्थान टीम एलआईबी ट्रैक और तीसरा स्थान टीम काराकोट ने हासिल किया। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. एके दास, डॉ. मधुकृष्णा प्रियदर्शिनी और डॉ. बीएन बाग रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उच्च स्तर की रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक क्षमता प्रदर्शित की। 'पिच द पिक्यूलियर 2025' ने छात्रों को अपनी कल्पनाशीलता और नवाचार क्षमता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया, जिससे कैंपस में सकारात्मक, सृजनशील और समस्या-समाधान उन्मुख वातावरण को बढ़ावा मिला।

कार्नर न्यूज

इस्कॉन-2025 की श्रृंखला में अंतिम दिन निश्चेतना विशेषज्ञों ने भी छात्रों में किया नई ऊर्जा और उमंग का संचार

ऑपरेशन थिएटर में एनेस्थीसिया टीम स्टडी वर्क और नई तकनीक से देती है बेस्ट, डॉक्टर्स ने साझा किए अनुभव

रायपुर। इस्कॉन 2025 के अंतिम दिन देश-विदेश से आए निश्चेतना विशेषज्ञों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल छात्रों में नई ऊर्जा और उमंग का संचार किया। इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी के इस कॉन्फ्रेंस में जहां तीन हजार से ज्यादा डॉक्टर्स ने भाग लिया, वहीं इसके सफल आयोजन की श्रृंखला में शहर के कई चिकित्सा केन्द्रों में कार्यशालाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से आतिथ्य सत्कार की परंपरा भी निभाई गई। इससे अभिभूत हो विशेषज्ञों ने भी अपने अनुभव साझा किए। अंग प्रत्यारोपण में निश्चेतना सत्र आकर्षण का केंद्र रहा। शोध कार्यों का सत्र और लक्षित नियंत्रण इन्फ्यूजन पर चर्चा की गई। इसमें किस तरह से चिकित्सा प्रक्रिया से दवा या तरल पदार्थ को नियंत्रित तरीके से पेशेंट के शरीर में पहुंचाया जाता है। इसे कई तरह के उपचारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, खासकर कैंसर के इलाज में लक्षित चिकित्सा अहम हिस्सा होता है।

निश्चेतना संबंधित निगरानी पर विशेष सत्र

आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. सुधीर टिचकुले ने बताया कि इस तरह का नेशनल कॉन्फ्रेंस केरल के तिरुवनंतपुरम में 2026 में होने वाला है। वहीं, विशेषज्ञों ने बताया कि दवाएं कैंसर कोशिकाओं को निशाना बनाती हैं। इन्फ्यूजन को नसों के द्वारा मांसपेशियों या त्वचा के नीचे दिया जा सकता है। निश्चेतना की दवाइयों की नई पद्धति के बारे में भी सत्र का आयोजन किया। बुजुर्गों में निश्चेतना संबंधित निगरानी किस तरह से बेहतर तरीके से की जा सकती है, इसके लिए भी सत्र का आयोजन हुआ। ऑपरेशन थिएटर में एनेस्थीसिया टीम के सदस्यों में आपसी सहयोग के महत्व को बताते हुए सर्वोत्तम परिणाम कैसे पाया जाए के बारे में भी सत्र के दौरान बताया गया।

तकनीक के सभी संभावनाओं पर की चर्चा

विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे और उपयोग में सारी संभावनाओं की जानकारी साझा की। इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव भी अंतिम दिन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से डॉ. नवीन मल्होत्रा को प्रेसिडेंट, डॉ. राधाकिशन राव वाइस प्रेसिडेंट, डॉ. राजीव गुप्ता सचिव, डॉ. सुनील सेठी कोषाध्यक्ष, डॉ. मीनाक्षी सुंदरम प्रेसिडेंट इलेक्ट के पद पर नए कार्यकाल के लिए चयनित हुए। इस महा समागम की पूर्णाहुति दिवस पर सभी आगंतुक और आमंत्रित विशेषज्ञों ने आभार व्यक्त किया। डॉ. सुधीर टिचकुले ने बताया कि वार्षिक कॉन्फ्रेंस केरल के बाद 2027 में महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित की जाएगी।

सिटी लाइव

साहू मित्र सभा के मंच पर विवाह योग्य युवक-युवतियों ने दिया परिचय

रायपुर। रविवार को साहू मित्र सभा की आम सभा के साथ युवक युवती परिचय सम्मेलन हुआ। समाज के लिए विशेष योगदान देने वालों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि युवक युवती परिचय सम्मेलन के लिए समाज बड़ा आयोजन करता है, बड़ा मंच देता है। इस मंच में आकर अपना परिचय देने में संकोच नहीं करना चाहिए। युवक युवतियों को इस मंच का लाभ उठाना चाहिए। प्रारंभ में साहू मित्र सभा भिलाईनगर के अध्यक्ष खेदराम साहू ने सामाजिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज की मांग पर शासन ने 20 लाख रु. स्वीकृत किया है। इसका काम शुरु हो गया है।

सांस्कृतिक प्रस्तुति ने मनमोहा

कोहका, कैम्प 1 व हाउसिंग बोर्ड इकाई की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय पत्रिका परिचायिका का विमोचन अतिथियों ने किया। इसके बाद युवक युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला साह संघ के अध्यक्ष हरिद्वारिका साहू ने की। अतिविशिष्ट अतिथि पूर्व सलाहकार प्रदेश साह संघ रमेश साहू थे। अन्य अतिथियों में जितेन्द्र साहू, गिरवर बंटी साहू, डॉ. सरिता यशवंत साहू, विजय साहू, एमके साहू, तोरण अटल, डॉ. कामता साहू, दीपक साह, जनक राम साह आदि उपस्थित थे। उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू, संगठन सचिव हीराशंकर साह व श्रीमती दीपेश्वरी साहू, कोषाध्यक्ष भरतराम साहू, कार्यालय सचिव गजेन्द्र गंजीर, सहसचिव अरुण कुमार साहू का भी विशेष सहयोग रहा।

धर्म लाइव

पीले परिधान में भजन-कीर्तन करते महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

रायपुर। बूढ़ापारा स्थित गणेश मंदिर में दोपहर से ही भक्तिमय माहौल बनना शुरू हो गया था। विश्व जागृति मिशन रायपुर मंडल ने 04 से 07 दिसंबर तक इंडोर स्टेडियम में होने वाले दिव्य सत्संग से पहले रविवार को दोपहर तीन बजे के बाद कलश यात्रा निकाली। इसमें अलग-अलग क्षेत्र से आई 51 महिलाओं के समूह ने सिर पर कलश धारण किया। पीले परिधान में भक्तिभाव से मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के बाद निकाली गई कलश यात्रा ने क्षेत्र का भजन-कीर्तन करते हुए भ्रमण किया। 51 महिलाएं भजन करते हुए आगे चल रही थीं। श्रद्धालुओं का समूह भजन-कीर्तन करते हुए कलश यात्रा के दौरान व्यवस्था की कमान संभालते हुए क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए निकला। इस दौरान राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए सेवा दल से जुड़े लोग सेवा दे रहे थे।

इन मार्गों का भ्रमण करने के बाद यात्रा का समापन

विश्व जागृति मिशन के मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि कलश यात्रा में सभी गुरु भाई भी साथ- साथ भजन गाते हुए चल रहे थे। सदगुरुदेव सुधांशु महाराज का 04 से 07 दिसंबर तक इंडोर स्टेडियम में होने वाले दिव्य भक्ति सत्संग में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से यह कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा सद्दानी चौक, सदर बाजार, सत्ती बाजार से कंकाली तालाब होते हुए पुरानीबस्ती थाना और शीतला माता मंदिर के सामने से होते हुए शाम 6 बजे इंडोर स्टेडियम पहुंची। जहां विधि-विधान से कलश यात्रा का समापन किया गया। इसके साथ ही आगामी दिनों में होने वाले दिव्य सत्संग को सफल बनाने का आह्वान भी किया गया।

समाज इवेंट

गुरु तेगबहादुर की 350वीं शहीदी शताब्दी पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। श्री गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी शताब्दी के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग की ओर से गुरुद्वारा गुरु नानक नगर, श्याम नगर में विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर बिलासा ब्लड सेंटर, छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल और गुरु नानक नगर गुरुद्वारा समिति एवं साध-संगत के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। रविवार को सुबह 9 बजे से ही बड़ी संख्या में नागरिक रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए पहुंचते रहे। आयोजन से पहले व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर रक्तदाताओं का पंजीयन किया गया था। देर शाम तक चले शिविर में कुल 109 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जबकि 250 से अधिक लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सिकलसेल एवं थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के उपचार

संग्रहित रक्त को विशेष रूप से सिकलसेल एवं थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए सुरक्षित किया गया है, जिससे कई जरूरतमंद बच्चों को नई जीवन-आशा मिली है। इस अवसर पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विशेष स्वास्थ्य कार्ड भी जारी किए गए, जिनके माध्यम से आगामी समय में चिकित्सीय परीक्षण व उपचार में विशेष रियायतें प्रदान की जाएंगी। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को सम्मान स्वरूप साढ़े सात मीटर की केसरिया पगड़ी, सामान्य रक्तदाताओं को हेलमेट और युवतियों को हेलमेट और केसरिया चुनरी भेंट की गई।

● इवेंट इंटीरियर प्लानर की मारा मारी, ऐसे में घर व बाजार से सजावटी सामान जुगाड़ कर सजा रहें महफिल

वेडिंग फंक्शन प्री-प्लानिंग से कम बजट और टाइम पर घरवाले ही क्रिएटिव आइडिया से मंडप, हल्दी व मेहंदी रस्म का कर रहे डेकोरेशन

शादी के सीजन में घर पर मंडप, हल्दी व मेहंदी रस्म के लिए घर को डेकोरेट करने में लोग जुटे हुए हैं। इसके लिए वेडिंग होम इंटीरियर प्लानर भी एडवांस में बुक चल रहे हैं। ऐसे में खुद ही शादी घर वाले व मेहमानों के सहयोग से डेकोरेशन को आसानी से किया जा सकता है। शहर की वेडिंग होम इंटीरियर प्लानर अनिकृति शर्मा बताती है कि शादी घर पर बजट को देखते हुए व कम समय पर खुद से भी आकर्षक डेकोरेशन कर सकते हैं, लेकिन ये तभी संभव है, जब इसके लिए प्लानिंग पहले से की जाए।

रायपुर। शादी के पहले के लगभग सारे फंक्शन घर पर ही होते हैं। हर कोई चाहता है कि शादी बहुत ही धूमधाम और शानदार तरीके से हो। लेकिन, बढ़ती महंगाई और शादी में होने वाले तमाम खर्चों के चलते घर का डेकोरेशन कराना भी कोई कम खर्चीला नहीं होता है। इसके लिए डेकोरेटर या इंवेट कंपनी को हायर करना पड़ता है। फिर वो अच्छा खासा हिसाब भी लिखकर देते हैं। लेकिन, डेकोरेशन के लिए ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि खुद से इनोवेटिव आइडियाज से घर की डेकोरेशन कम बजट में और बहुत आसानी से कर सकते हैं। शादी वाले घर को सजाने के लिए सबसे पहले डेकोरेशन आइटम को इकट्ठा कर लें। इसके लिए कई सामान तो घर पर ही मिल जाएंगे। वहीं, कुछ सजावटी सामान बाजार से लाने होंगे। वेडिंग होम डेकोरेशन को लेकर कुछ खास क्रिएटिव से डेकोरेशन के सामान की लिस्ट घर को सजाने के हिसाब से जहां-जहां सजावट करनी है, उस क्वांटिटी में ले सकते हैं। इसमें अलग-अलग फंक्शन जैसे हल्दी, मेहंदी की डेकोरेशन करनी है, तो आप उस कलर थीम को फॉलो कर सकते हैं।

ऐसे सजाएं वेडिंग होम

साड़ी या दुपट्टे से भी घर के मुख्य दरवाजों की सजावट कर सकते हैं। ये घर को काफी खूबसूरत लुक देता है। कोशिश करें कि लाइट कलर की साड़ी और रंग-बिरंगे शिफॉन के दुपट्टों सजाने के लिए चुनें। रंग-बिरंगे फूलों से घर के मेन एंट्रेंस से लेकर छत तक की सजावट कर सकते हैं। असली फूल कुछ दिन में ही मुरझा जाते हैं तो आप नकली फूलों की लड़ियों से अपने घर को सजा सकते हैं। मेहमानों के स्वागत के लिए जगह-जगह फूलों की टोकरी रख सकते हैं। ये एलिगेंट लुक देता है। मिनी लालटेन, गुब्बारे, पेपर बॉल लैम्प और सिल्वर-गोल्डन गारलेंडः साड़ी, दुपट्टे और फूलों की सजावट से मिनी लालटेन फंक्शन वाली जगह पर लगा सकते हैं। ये एथनिक लुक देता है। मेन गेट को गुब्बारों से सजा सकते हैं। इसके अलावा सिल्वर-गोल्डन गारलेंड से छत को कवर कर सकते हैं और दरवाजों को सजा सकते हैं। रात में लाइट पड़ने पर गारलेंड जश्न की चमक बढ़ा देते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक लाइट्स से लगेंगे चार चांद

शादी का घर जगमगाता हुआ ही अच्छा लगता है। दूर से ही जान पड़ता है कि इस घर में शादी है। शादी के फंक्शन की शुरुआत से पहले आप मुख्य द्वार, सीढ़ियों, घर की छत को लाइट और दीये से सजा सकते हैं। बालकनी को सुंदर बनाने के लिए छोटी-छोटी बीड्स वाली लाइट यूज लगा सकते हैं। इन्हें बाहर की तरफ सजाएं व फूलों के साथ भी लाइट लगा सकते हैं। अगर घर में पौधे हैं, गार्डन है या आस-पास पेड़ है, तो उसे लाइट्स से सजाना बिल्कुल न भूलें। इससे वेडिंग हाउस की सुंदरता काफी बढ़ जाएगी। शादी वाले घर में पुरानी यादों को फिर से यादगार बनाने के लिए आप एक दीवार सिलेक्ट करें। इस दीवार पर परिवार के सदस्यों की फोटो को क्रिएटिव तरह से सजाते हुए लगाएं। फोटोज को ग्लिटर पेपर शीट्स में पेस्ट करके फोटो हैंगिग बनाकर हैंग कर सकते हैं। शादी वाले घर में फोटो गैलरी इमोशनली अटैच करने वाली सजावट होगी।

पारंपरिक आकर्षक रंगोली

पूजा-पाठ, विवाह समारोह में रंगोली बनाना बहुत शुभ माना जाता है। इसलिए, शादी के शुभ अवसर पर रंगोली जरूर बनानी चाहिए। अगर जगह कम है, लोगों के आने-जाने से रंगोली के खराब होने का डर है तो आप चावल के आटे और पानी का गाढ़ा घोल बनाकर उससे रंगोली बना सकते हैं। इसके अलावा अगर घर की फर्श सफेद है, तो आप लाल कलर रंगोली बना सकते हैं। शादी वाले घर में मेहमानों की भीड़ लगी रहती है, ऐसे में मेहमानों के खाने और बैठने की व्यवस्था अलग से करें। मेहमानों के बैठने के लिए कुर्सियां और गद्दे लगा दें। गेस्ट रूम में जरूरी चीजें जैसे- टिश्यू पेपर, सैनिटाइजर, हैण्ड टॉवल, वॉटर कूलर, पानी वाले गिलास, नाश्ते के बॉक्सेज समेत बाकी चीजें ध्यान से रख दें, ताकि फंक्शन के दौरान मेहमानों की खातिरदारी में ही समय न निकल जाएं।

पुनः मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव में रही मंत्रोच्चार की गूंज, संतों ने किया प्रथम अभिषेक का विधान

रायपुर। देवेन्द्र नगर सेक्टर-2 मुख्य मार्ग स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर में सुबह साढ़े 9 से दोपहर 12 बजे के बीच भक्तिमय माहौल रहा। लोग मंदिर निर्माण के रजत जयंती महोत्सव का हिस्सा बनने के लिए सैकड़ों की तादाद में पहुंचे। पुनः मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान मंत्रोच्चार की गूंज रही। मंदिर के पुनः निर्माण और मूर्तियों की स्थापना विधि बीएपीएस श्री स्वामीनारायण सत्संग मंडल संस्था के वरिष्ठ संत ज्ञानेश्वर स्वामी की अगवानी में किया गया। इसका साक्षी बनने के लिए श्रद्धालु सपरिवार शामिल हुए। संतों के मार्गदर्शन में शुरू किया गया अनुष्ठान करीब तीन घंटे तक चला। भगवान नीलकंठ वर्गी की मूर्ति महोत्सव के दूसरे दिन अभिषेक करने के बाद भगवान को 56 भोग अर्पित किया गया। 2001 में मंदिर निर्माण के बाद रविवार को पुनः मूर्ति प्रतिष्ठा के बाद भक्तगण पहली आरती में शामिल हुए।

संस्कार एवं सदाचार की त्रिवेणी के समान

संत ज्ञानेश्वर स्वामी ने संबोधन में कहा कि सामाजिक, नैतिक, शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक उत्थान के लिए मंदिरों से जुड़ना होगा। बच्चों को धर्म के केन्द्र स्वरूप मंदिरों से जोड़ने की जरूरत है। बी.ए.पी.एस. श्री स्वामीनारायण संस्था के मंदिरों का समाज में अमूल्य योगदान है। संस्था के देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी करीब दो हजार मंदिर हैं। इससे जुड़े सनातन धर्मियों को सामाजिक सरोकार से जोड़कर सेवा, संस्कार एवं सदाचार की त्रिवेणी का एहसास देता है। इससे सभी सनातन धर्म प्रेमियों को जुड़ने की जरूरत है।

सनातन संस्कृति के आधार स्तंभ हैं मंदिर

इस दो दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन भक्तों को प्रसाद वितरण से पहले संस्था के प्रमुख संत ज्ञानेश्वर स्वामी ने लोगों को सत्संग का अवसर दिया। इसमें साधु प्रेमप्रकाश दास (महंतश्री), साधु मुनिदर्शन दास (कोठारीश्री), साधु परम श्लोक दास के साथ संतोष जीवन दास प्रमुख रूप से शामिल हुए। इनकी उपस्थिति में सत्संग के दौरान स्वामी ने कहा कि भव्य भारतीय सनातन संस्कृति के आधार स्तंभ मंदिर है। जहां सत्कर्म की गंगा, प्रभु भक्ति की यमुना और अध्यात्म ज्ञान की सरस्वती प्रवाहित है। जहां अनेक लोगों का अशांत जीवन मंगलमय बनता है। इसलिए, मंदिर परम शांति का केन्द्र बिंदु है। इससे भावी पीढ़ी को जोड़ने की अब ज्यादा जरूरत है। अशांत जीवन में आध्यात्मिक शांति प्रभु की भक्ति में समाहित है।

मुकुट नगर उद्यान में शुरू हुई महाशिवपुराण कथा

रायपुर। मुकुट नगर उद्यान में रविवार को शुरू हुई महाशिवपुराण कथा के दौरान कथा स्थल भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। कथा के दौरान शिव-सती विवाह एवं पार्वती जन्म-कथा का अत्यंत भावपूर्ण एवं मनोरम वर्णन किया गया, जिसे सुनकर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा का वाचन राष्ट्रीय संत राजीव नयन महाराज ने किया, वहीं भजन सम्राट संजीव नयन ने भजन प्रस्तुत किए। भक्तिमय भजनों और रोचक वर्णन ने सम्पूर्ण माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा कि बच्चों

ने भगवान शिव और माता सती के रूप में सजे धजे होकर पंडाल में प्रवेश किया, जिससे वातावरण में उत्साह और श्रद्धा का संचार हुआ। बच्चों की प्रस्तुति को श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सराहा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रवचन का श्रवण लाभ लेने पहुंच रहे हैं।

बाजार में क्रिसमस ट्री, डेकोरेटिव वस्तुएं और ढेर सारे गिफ्ट्स आदि की खूब खरीदारी देखने मिल रही

कार्नर न्यूज

क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए सजा बाजार सांता क्लॉज के टॉय, स्टार्स, बॉल्स की डिमांड

रायपुर। क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए बाजार सजने लगा है। रंग-बिरंगे स्टार मसीहीजनों को खूब भा रहा है। बाजार में सांता क्लाज के टाय, स्टार्स, बाल्स की डिमांड बनी हुई है। रविवार को गिरजाघरों में रौनक रही। विशेष प्रार्थना हुई। क्रिसमस को लेकर चर्च में रिहर्सल भी प्रारंभ हो चुका है। क्रिसमस जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है राजधानी में 'जिंगल बेल्स जिंगल बेल्स जिंगल आल द वे' गीत हर किसी की जुबान पर छाने लगा है। इस बार भी क्रिसमस-डे को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस विशेष दिन को लेकर लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बाजार क्रिसमस के रंग में रंग रहे हैं। शहर भर में क्रिसमस ट्री, डेकोरेटिव वस्तुएं और ढेर सारे गिफ्ट्स आदि खूब सजने लगे हैं। वहीं, अलग-अलग सांता क्लाज की ड्रेस और मुखौटे बच्चों की पहली पसंद बनी है। शहर के सभी गिरजाघरों में क्रिसमस पर्व की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। 25 दिसंबर को क्रिसमस उत्साह से मनाया जाएगा। यीशु के जन्म की खुशी में क्रिसमस ट्री को सजाया जाता है, जो जीवन और आशा का प्रतीक है। इस पर तारे, लाइट्स और उपहार सजाए जाते हैं। क्रूस को सजाने के लिए पारदर्शी सफेद कपड़े, मोमबत्तियां और फूल लगाए जाते हैं, जो यीशु के जन्म का प्रतीक है। लोग धन्यवाद और मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रार्थनाएं करते हैं। क्रिसमस की सुबह, लोग चर्च जाकर प्रभु यीशु की आराधना करते हैं। ऐसे में शहर के गोलबाजार, पंडरी बस स्टैंड रोड की डेकोरेटिव शॉप, शंकर नगर रोड गिफ्ट हाउस, वीआईपी रोड स्थित मॉल, गिफ्ट शॉप पर क्रिसमस सेलिब्रेशन को लेकर डेकोरेटिव सामग्रियां पहुंच चुकी हैं, जहां खरीदारी भी शुरू हो चुकी है। घरों की साज-सजा, रंगरोगन भी मसीहजनों द्वारा किया जा रहा है। क्रिसमस के आगमन के साथ चर्च को रंग-बिरंगी लाइट्स, मालाओं और फूलों से सजाया जा रहा है। साथ ही यीशु मसीह के जन्म का जश्न मनाने के लिए विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की जा रही हैं। इस तरह से क्रिसमस पर खुशियों का उपहार सांता क्लाज से पाने बच्चे उत्साहित हो रहे हैं।

रंग-रोगन के साथ सजने लगे गिरजाघर

प्रभु यीशु के स्वागत के लिए गिरजाघर सजाए जा रहे हैं। साथ ही प्रार्थनाएं भी शुरू हुई हैं। रंग-रोगन का काम लगभग समाप्त हो चुका है। सुबह व शाम के सेलिब्रेशन किए जा रहे हैं। घरों में क्रिसमस ट्री सहित सजावट के सामान और रोशनी की जा रही है। रात के समय ग्रुप के रूप में कैरोल सिंगिंग से जीसस के आने की खुशियां मनाने निमंत्रण दिए जा रहे हैं। बच्चों को भी इंतजार है कि सांता क्लास उन्हें गिफ्ट देने आएंगे।

क्रिसमस ट्री, ग्रीटिंग काड्‌र्स व क्रेटिव सामान

क्रिसमस को लेकर शहर के बाजार में चहल-पहल शुरू हो गई है। क्रिसमस ट्री, प्रभु यीशु के जन्म की आकर्षक तस्वीरें, ग्रीटिंग काड्‌र्स बेचे जा रहे हैं। रेड और व्हाइट ड्रेस के अलावा सुनहरे ड्रेस में भी सांता क्लाज के टाप हैं। क्रिसमस पर्व को ध्यान में रखकर ही दुकानदारों ने दुकानों में बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक का क्रेटिव सामान रखा है।

सिटी स्पोर्ट्स

छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट राज्य टीम के लिए चुने गए खिलाड़ी

भिलाई। छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन ने रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम के चयन हेतु चयन ट्रायल का सफलतापूर्वक आयोजन इस्पात नगरी भिलाई में किया। यह चयन आगामी सेंट्रल ज़ोन क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए किया जा रहा है, जिसका आयोजन 20, 21 और 22 दिसम्बर को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ग्राउंड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में निर्धारित है। इस चयन प्रक्रिया का संचालन एवं निरीक्षण एसोसएशन की चयन समिति के सम्मानित सदस्यों द्वारा किया गया, जिनमें श्रीमंत झा–सचिव, अभिषेक सिंह–उपाध्यक्ष, एस. बालराजू–मुख्य कोच एवं अजय विलियम–कोच, शामिल थे। प्रदेशभर से दिव्यांग खिलाड़ियों ने उत्साह, जोश और उत्कृष्ट खेल भावना के साथ ट्रायल में भाग लिया तथा अपने कौशल और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन तिमिरेन्दु शेखर कंवर ने सफल आयोजन पर बधाई देते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। साथ ही एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट मनमीत सिंह मेहरा तथा संघ के सक्रिय सदस्य परमजीत सिंह ने भी सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चयनित खिलाड़ियों की अंतिम सूची एसोसिएशन की ओर से आगामी दिनों में जारी की जाएगी।

कबड्डी में छत्तीसगढ़ बालक सेमीफाइनल और बालिका क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

रायपुर। हरियाणा पानीपत में चल रही 35 वी ओपन सब जूनियर कबड्डी चैंपियनशिप मे छत्तीसगढ़ की बालक टीम ने साईं को 4 अंको से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। बालकों ने छत्तीसगढ़ के लिए एक मैडल सुनिश्चित किया है। इसी तरह बालिका टीम ने प्री क्वाटर फाइनल मैच मे कर्नाटक को 4 अंको से हराकर क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया है। एनआईएस कबड्डी कोच ओमकार जायसवाल ने बताया कि बॉयज़ वर्ग के खिलाड़ी नॉक आउट में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया टीम को रोमांचक मुकाबले मे 43-39 के मुकाबले 4 अंको से हराकर सेमीफाइनल मे पहुंचे। छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने प्री क्वाटर फाइनल मे मुकाबला कर्नाटक के साथ हुआ जिसमे छत्तीसगढ़ ने 34-30 के मुकाबले 4 अंको से हराकर क्वार्टर फाइनल मे पहुंची। खिलाड़ियों के अच्छा प्रदर्शन करने के लिए छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ अध्यक्ष शशिकांत बघेल, महासचिव प्रदीप यादव, कोषाध्यक्ष सेवा राम साहू, जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष जीवन मिश्रा एंव अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

अंतर परिक्षेत्र स्तरीय तैराकी में स्निग्धा और अनुष्का ने जीता गोल्ड

रायपुर। अंतर परिक्षेत्र स्तरीय तैराकी (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता का आयोजन 27 नवंबर को स्वामी आत्मानंद कॉलेज की मेजबानी मे रेलवे तरणताल बिलासपुर में किया गया। इस संबंध में महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी ओमकार जायसवाल ने बताया कि, कालेज की स्निग्धा लाल ने 50 मीटर व 100 मीटर फ्री स्टाइल मे गोल्ड मेडल जीता। उसी प्रकार अनुष्का भगत ने 50 मीटर व 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक मे गोल्ड मेडल जीतते हुए आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। प्रताप निषाद 100 मीटर फ्री स्टाइल मे सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रहे। खिलाड़ियों के मेडल जीतने पर संस्था प्रमुख प्रमोद कुमार जैन, उपसंस्था प्रमुख अंकित जैन, प्राचार्य डॉ. अर्चना शुक्ला, उपप्राचार्य शुभी श्रीवास्तव, प्रिंसिपल डॉ. रितेश जैन, डॉ. संदीप गुप्ता, उपप्राचार्य अभिनव पाल, अभिषेक केशरवानी, उमेश पटनायक, डॉक्टर अंकुर श्रीवास्तव, आदिल डल्ला, डॉक्टर अर्जुन चौहान, शिवशंकर गुप्ता, मनीष सिन्हा, इंजमाम आदि ने बधाई दी है।

स्वस्थ्य शरीर के लिए भरपूर नींद लेना जरूरी, परेशानी हो तो जरूर जाएं डाक्टर के पास

नींद न आने की समस्या बढ़ा सकती है कई बीमारियों का खतरा, सुकून पाने करें ये उपाय

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है। नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद की समस्याओं के कारण

नींद न की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती

समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है। नींद में सुधार के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

एक ही समय पर रोज सोने की बनाएं आदत

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

स्क्रीन से बनाएं दूरी

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता

है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित शारीरिक व्यायाम नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान

रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

महिला क्रिकेटरों ने दिखाए जौहर

भिलाई। सेक्टर 7 स्थित क्रिकेट ग्राउंड में गृहणियों ने मिलकर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। जहां घरों से निकलकर महिलाओं ने क्रिकेट के बल्ले और बाल में अपने हाथ आजमाएं और आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

- सेक्टर-7 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई विधायक देवेंद्र यादव एवं पद्मश्री फुलबासन यादव खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करने पहुंचे। रानू मंडल ने सभी अतिथियों की अगवाई करते हुए कार्यक्रम संचालन किया और आखिर में बेस्ट बॉलर बेस्ट प्लेयर सहित मैन ऑफ द मैच रही खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। महिलाओं ने आयोजन की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से समाज में एक अच्छा संदेश जाता है और महिलाओं के हौसलों को बुलंदी मिलती है। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने आयोजन को सराहा और आगे भविष्य में ऐसे आयोजनों करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि क्रिकेट की असीमित संभावना को देखते हुए महिला क्रिकेटर भी अब नए आयाम तय कर रही है। पूर्व क्रिकेटर एवं कोच गोकरन टंडन ने बताया, ₹ टीम में 15 खिलाड़ी थे, जिनमें से अधिकांश स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित हैं। यहां दो सत्रों में अभ्यास जारी था जिसमें फिटनेस, बैटिंग, बोलिंग और फील्डिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। राज्य चैंपियनशिप जनवरी 2026 में रायपुर में आयोजित होनी है, और हम इस बार फाइनल तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर तैयारी कर रही हैं। कोच गोकरन टंडन ने कहा कि हाल ही में संपन्न जिला स्तरीय टूर्नामेंट में टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जो आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चांदी की नथ क्यों है वर्जित

ज्योतिष शास्त्र में धातुओं से संबंधित आभूषण पहनने के महत्व बताया गया है। वहीं कुछ ऐसे आभूषण हैं, जिन्हें शरीर के विभिन्न अंगों में पहनने से शुभ परिणाम मिलते हैं। अब ऐसे में चांदी की नथ को नाक में पहनने की मनाही क्यों हैं। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोना को हमेशा शरीर के ऊपरी हिस्सा में पहनने की मान्यता है और शरीर के निचले भाग में चांदी पहनने की मान्यता है। आपको बता दें, शरीर का ऊपरी हिस्सा भगवान का हिस्सा माना जाता है। साथ ही सोना सूर्य और गुरु बृहस्पति ग्रह से शासित है।सोने का

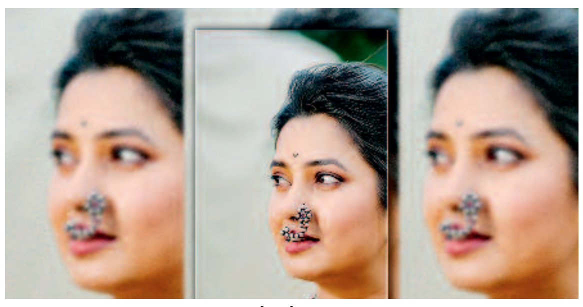

ऊर्जा बेहद अधिक मात्रा में होता है और सोना शुभता का प्रतीक माना जाता है। सोने को पवित्र और देवी-देवताओं से जुड़ा माना जाता है। आपको बता दें, ज्योतिष में सोने को सूर्य से जोड़ा जाता है और सूर्य को आत्मविश्वास, ऊर्जा और नेतृत्व का कारक माना जाता है। इसे ऊपरी हिस्से में पहनकर सूर्य का सकारात्मक प्रभाव बढ़ाया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में चांदी से संबंधित आभूषण शरीर के निचले हिस्से में पहनते की मान्यता है। चांदी का सतह शीतल होता है और यह शरीर में ठंडक पहुंचाती है। साथ ही चांदी में चंद्रमा का वास होता है। वहीं सोना में माता लक्ष्मी का वास है। इसलिए इसे शरीर के निचले हिस्से में पहनने से वह नाराज हो सकती हैं। वहीं सोलह श्रृंगार वर्णन में भी सोना को शरीर के ऊपर और चांदी को नीचे के भाग में पहनने का बारे में बताया गया है।

तलवारबाजी के लिए जल्द मिलेंगे अत्याधुनिक उपकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन की 19 सामान्य सभा रविवार को क्वींस क्लब वीआईपी रोड में आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं सर्व सम्मति से सभी मुद्दों पर सदन ने अपनी सहमति दी।

सचिवीय उद्बोधन में बशीर अहमद खान से वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता में वर्ष 2024-25 की अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की और बशीर अहमद खान ने 2025-26 ने अनुमानित बजट प्रस्तुत किया।

एसोसिएशन का होगा अपना फेंसिंग हॉल

- प्रकाश अध्यक्ष, अखिलेश कोषाध्यक्ष और समीर महासचिव निर्वाचित

नवनिर्वाचित अध्यक्ष एस प्रकाश ने कहा कि नवीन कार्यकारिणी में चयनित सदस्य फेंसिंग एसोसिएशन छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम देने संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पहली प्राथमिकता छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग के लिए स्वयं के फेंसिंग हॉल का निर्माण एवं खिलाड़ियों के लिए अति अत्याधुनिक उपकरण एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराना और वर्ष 2026-27 में अंतरराष्ट्रीय कैडेट प्रतियोगिता का आयोजन कराना है।

खोलेंगे 5 संभाग स्तरीय फेंसिंग खेल सेंटर

कार्यकारी अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में

5 संभाग स्तरीय फेंसिंग खेल सेंटर खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया। जिससे प्रदेश के हर जिले में फेंसिंग टैलेंट की खोज कर उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिये प्रशिक्षित किया जा सके। चेयरमैन रामदास अग्रवाल ने कहा की फेंसिंग खेल के लिए में हमेशा हर प्रकार से सहयोग करूँगा।

चुने गए पदाधिकारी

फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया से चुनाव प्रवेक्षक अशोक दुधारे, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन से अकरम खान खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्रवेश जोशी की उपस्थिति में 2025-2029 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एस प्रकाश (आईएएस), चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ,बशीर अहमद खान, कमल रूपरेला, आरती सिंह, सह उपाध्यक्ष कमल कुमार एवं तारकेश मिश्रा, महासचिव समीर ख़ान, सह सचिव राम प्रताप गुप्ता, निखिल कुमार जाँभुलकर, मोहनीश वर्मा, वरुण पांडेय, संतोष साहू, कोषाध्यक्ष अखिलेश दुबे, कार्यकारिणी सदस्य रमन कुमार साहनी,उमेश सिंह, जुबेर महमूद, आसिम रुम्मन ख़ान तथा छत्तीसगढ़ के एन आई एस कोच वीर हनुमान सिंह अवार्डी वी जॉन्सन सोलोमन और एनआईएस कोच प्रवीण कुमार शामिल थे। कार्यकारिणी चुनाव को संपन्न कराने में मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ रमेश कुमार श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष सीजीओए), सहायक चुनाव अधिकारी रामजस पाल (कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ रोइंग संघ) थे।

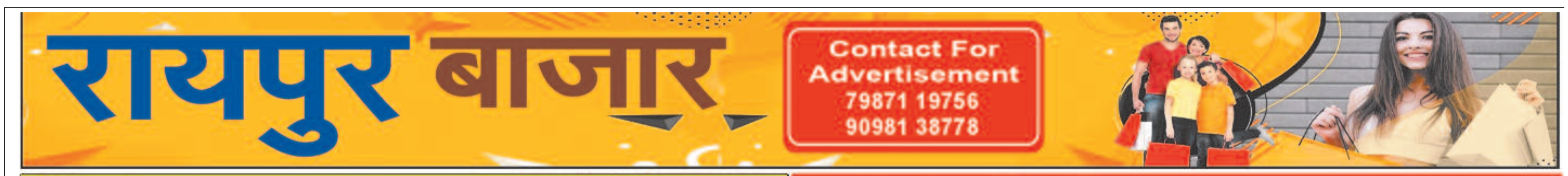

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ब्रिटिश रैपर पर देसी रंग, सेंट्रल सी की टी-शर्ट ने खींचा फैंस का ध्यान

इन दिनों कई विदेशी सिंगर, रैपर भारत में म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए आ रहे हैं। ब्रिटिश रैपर सेंट्रल सी ने मुंबई में परफॉर्म किया। इस मौके पर उनकी टी-शर्ट ने इंडियन फैंस का दिल जीत लिया। ब्रिटिश रैपर ने मुंबई कॉन्सर्ट में अपने गानों से गजब का समा बांध दिया। फैंस उनके गानों पर थिरकते नजर आए। लेकिन सोशल मीडिया पर उनके म्यूजिक कॉन्सर्ट से ज्यादा चर्चा, उनकी टी-शर्ट की है। इस टी-शर्ट को देखकर इंडियन फैंस काफी खुश हैं। ऐसा क्या था, सेंट्रल सी की टी-शर्ट में? और यूजर्स ने क्या रिएक्शन दिए हैं? ब्रिटिश रैपर के कुछ वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इसमें वह स्टेज पर गाना गा रहे हैं। उन्होंने जो टी-शर्ट पहनी है, उस पर भगवान शिव की तस्वीर बनी हैं। रैपर का लुक इस टी-शर्ट की वजह से काफी यूनीक लग रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स रैपर सेंट्रल सी की तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने ब्रिटिश रैपर की वायरल वीडियो को एप्रीशिएट किया है। एक यूजर ने लिखा, 'सेंट्रल सी ने महादेव वाली टी-शर्ट पहनी है, यह देसी फैंस की जीत है।' एक अन्य यूजर ने 'ओम नम शिवायः' कमेंट सेक्शन में लिखा। कई यूजर्स ने ब्रिटिश रैपर के एफर्ट को पसंद किया और उनके लिए कमेंट सेक्शन में जमकर हार्ट इमोजी शेयर किए। सेंट्रल सी का असल नाम ओकले नील सीजन-सु है। 27 साल की उम्र में वह ब्रिटिश म्यूजिक इंडस्ट्री का उभरता हुआ नाम बन चुके हैं। साल 2020 में 'डे इन द लाइफ' नाम के गाने से वह काफी मशहूर हुए। पिछले कुछ साल में उनके गाने यूके एल्बम चार्ट में टॉप पर रहे हैं।

टॉलीवुड

आईएफएफआई में रजनीकांत को मिला सम्मान बोले- अभिनय करियर 15 साल जैसा लगा

56वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टविल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) के समापन समारोह में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' की स्क्रीनिंग की गई। इसके साथ ही अभिनेता को सिनेमा में 50 साल पूरे करने के लिए सम्मानित किया गया। आज शुक्रवार को गोवा में आयोजित हो रहे आईएफएफआई 2025 समारोह का आखिरी दिन है। इस दिन कई दिग्गज सितारे शिरकत कर रहे हैं। इसी कड़ी में साउथ अभिनेता रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' की स्क्रीनिंग की गई, जिसे एक्टर की बेटी ऐश्वर्या ने निर्देशित किया है। इसके अलावा रजनीकांत को सिनेमा में 50 साल के अद्भुत योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर अभिनेता ने भावुक भाषण दिया।

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'लाल सलाम' की आईएफएफआई 2025 में स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान दोनों पिता-पुत्री शामिल रहे। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों ने इसकी सरहाना की। ऐश्वर्या रजनीकांत ने स्क्रीनिंग के बाद अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, 'वह पल अभी भी मेरे जेहन में ताजा है। इस अनुभव के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह इस फिल्म के लिए एक वरदान है।' में ब्लू कलर की हाफ शर्ट और काले पैंट पहनकर पहुंचे। वायरल वीडियो में अभिनेता मुस्कुराते हुए और हाथ जोड़कर भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते दिख रहे हैं। जबकि उनकी बेटी ऐश्वर्या भी अपने पिता के साथ-साथ चल रही हैं। दोनों की एक झलक पाने के लिए दर्शक बेताब हैं। रजनीकांत को 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह के दौरान फिल्म उद्योग में पांच दशकों के योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

छॉलीवुड

सिंगर नितिन और शर्मिला का नया गीत 'बने बने तो' रिलिज़ होते ही वायरल

छत्तीसगढ़ फ़िल्मि एवं संगीत जगत के सर्वाधिक सब्सक्राइबर और व्यूवरशिप वा ले गायक,संगीतकार और अभिनेता नितिन दुबे और अभिनेत्री शर्मिला विश्वास का एलबम ₹बने बने तोर₹ रिलीज होते ही वायरल हो गया है। रिलिज़ के साथ ही यह गाना सबकी जुबाँ पर चढ़ गया है और यूट्यूब के साथ साथ सभी सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। इस गीत में नितिन और शर्मिला ने गायन के साथ साथ एक्टिंग भी की है। नितिन दुबे के संगीत से सजे इस गीत को लिखा है बुधराज चौहान ने और इस गीत के निर्देशक हैं राम यादव एवं इसके डीओपी हैं अभिजीत भारती। नितिन दुबे अक्सर अपने गीतों का टाइटल एकदम अलग और सबकी जुबाँ पर चढ़ने वाला बनाते हैं,जैसे हाय रे मोर मुनगाकाड़ी, गोंदा तोला रे,रायगढ़ वाला राजा,हाय रे मोर नीलपरी,गुलमोहर,मंदाकिनी,हाय मोर चाँदनी, दिल दे दे दुरूगवाली,तोर बारात जैसे सैकड़ो सुपरहिट गीत उनके नाम पर दर्ज हैं। इसी क्रम में उनका नया गीत ₹बने बने तोर₹ एक अलग तरह का गीत है जिसे अक्सर छत्तीसगढ़ में सभी हाल चाल पूछने और बताने के लिए उपयोग करते हैं और नितिन दुबे ने इस पर ही नया गीत बना दिया ₹बने बने तोर₹ जिसे दर्शक और श्रोता बहुत पसंद कर रहे हैं। शर्मिला ने बहुत ही कम समय मे छत्तीसगढ़ संगीत जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है उन्होंने न सिर्फ बतौर गायिक बल्कि एक अभिनेत्री के रुप में भी कई सुपरहिट गीत दिए है।

बदलता स्ट्रीटवियर

लाइफ स्टाइल

अटलांटा में जन्मी फैशन डिज़ाइनर एश्ले सिरियाको और द प्लाया सोसाइटी की क्रिएटिव डायरेक्टर एस्थर वॉलेस चाहती हैं कि स्ट्रीटवियर और ज़्यादा सबको साथ लेकर चलने वाला बने। सिरियाको ने एक्सियोस का मानना है कि स्ट्रीटवियर और ज़्यादा फेमिनिन होना चाहिए। इसके लिए हमेशा सिर्फ़ बैगी कपड़े और हुडी पहनना ज़रूरी नहीं है। लिहाजा, बदलाव न्यूयार्क की सड़कों पर दिखाई दे रहा है।

खूबसूरत लुक के लिए चेहरे के आकार के हिसाब से करें अपनी बिंदी का चयन

जब कोई महिला बिंदी लगाती है तो उनकी खूबसूरती और ज्यादा बढ़ जाती है। ज्यादातर महिलाएं गोल बिंदी ही लगा लेती हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि बिंदी हमेशा चेहरे के आकार के हिसाब से ही लगानी चाहिए।

अगर आपका चेहरे का आकार गोल है तो हमेशा गोल शेप वाली बिंदी का ही चयन करें। गोल चेहरा थोड़ा सा चबी होता है, ऐसे में अगर आप लंबी बिंदी लगाएंगी तो इससे आपका लुक खराब हो सकता है। चौकोर आकार चेहरे पर माथा, गाल की हड्डियां, साथ ही जबड़े की रेखा समान चौड़ाई की होती है। अगर आपका चेहरा चौकोर है तो आपके फेस पर गोल और वी आकार की बिंदी बेहद प्यारी लगेगी।

अगर आपका चेहरा अंडाकार या ओवल है तो बिंदी लगाने में आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं हैं। अंडाकार चेहरे पर आप कोई भी बिंदी लगा सकती हैं। बस बेहतर होगा कि आप लंबी बिंदी लगाने से बचें।

अगर आपके चेहरे का आकार त्रिकोणाकार है तो आप लंबी या गोल कैसी भी बिंदी लगा सकती हैं। त्रिकोणाकार चेहरा वाली महिलाओं को बस अपने आउटफिट को ध्यान में रखकर बिंदी का चयन करना चाहिए।

चाहती हैं रॉयल लुक तो स्टाइल करें वेलवेट सूट

न्यू फैशन ट्रेंड के अनुसार, इन दिनों वेलवेट सूट काफी ट्रेंड में है और यह सूट रॉयल और स्टाइलिश लू पाने के लिए बेस्ट है साथ ही इस आउटफिट में आप कंफर्टेबल भी रहती हैं । विंटर सीजन में होने वाली शादी के दौरान अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर परेशान रहती हैं कि वो किस तरह का आउटफिट वियर करें। महिलाएं चाहती हैं कि इस मौके पर वो स्टाइलिश नजर आए साथ ही ठंड से बचा जा सका। वहीं अगर आप स्टाइलिश लुक चाहती हैं साथ ही ये भी चाहती हैं ठंड की वजह से आपका फैशन खराब न हो तो आप ये वेलवेट सूट स्टाइल कर सकती हैं। हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाले वेलवेट सूट दिखा रहे हैं जो आप विंटर सीजन में हो रही शादी में शामिल होने के दौरान वियर कर सकती हैं। वहीं इस आउटफिट में आपका लुक रॉयल भी नजर आएगा।

थ्रेड वर्क वेलवेट सूट

अगर आप सिंपल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह के थ्रेड वर्क वेलवेट सूट का चुनाव कर सकती हैं और ये विंटर सीजन में होने वाली शादी में रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस सूट में बेहद ही खूबसूरत डिजाइन बनाया गया है साथ ही वी नेक डिजाइन में आता है। इस तरह का सूट आपको कई सारे कलर और नेक डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे जिन्हें आप 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस थ्रेड वर्क वेलवेट सूट के साथ आप फुटवियर में मोजरी साथ ही ज्वेलरी में आर्टिफिशियल ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वेलवेट सूट

यह एम्ब्रॉयडरी वर्क वाला वेलवेट सूट भी आप विंटर सीजन में स्टाइल कर सकती हैं जो कि स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। एम्ब्रॉयडरी वाला ये वेलवेट सूट आपको कई सारे डिजाइन में मिल जाएगा जिसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से ले सकती हैं। ये सूट आपको 2,000 से 3,000 रुपये की कीमत में मिल जाएगा। इस सूट के साथ आप चोकर और बालों का बन हेयर स्टाइल बना सकती हैं। एम्ब्रॉयडरी में आप इस तरह के फ्लोरल पैटर्न वाले एंब्रॉयडरी सूट का भी चुनाव आर सकती हैं ।

चेहरे से हटेंगे धब्बे, बदलेगी रंगत और बुढ़ापे की होगी छुट्टी

इस बात से हर कोई वाकिफ़ है कि स्किन केयरिंग टिप्स की जरूरत सिर्फ महिलाओं को नहीं पड़ती बल्कि पुरुषों को भी पड़ती है, यह बात अलग है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुष स्किन केयर रुटीन पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे पाते हैं लेकिन वे इस बात से अंजान होते हैं कि शरीर के बाकी अंगों की तरह त्वचा की भी देखभाल काफी ज़रूरी है।

ऐसे में ये स्किन केयर टिप्स आपके काफी काम आते हैं जो बेजान त्वचा को जान देते हैं और रूखी त्वचा को नमी देते हैं। इन प्रोडक्ट का रेगुलर इस्तेमाल किया जाए तो ग्लोइंग और स्मूथ स्किन मिलती है साथ ही एजिंग साइन भी दिखना बंद हो जाते हैं। इन स्किन केयर प्रोडक्ट्स से त्वचा की रंगत में भी निखार आता है। इससे बेजान त्वचा को जान मिलती है त्वचा को किसी भी तरीके का नुकसान नहीं पहुंचाता है स्किन केयर टिप्स में शामिल मॉइस्चराइजर से झुर्रियां कम होती है और त्वचा को फर्म मिलता है। हाइपरपिग्मेंटेशन को रोकने में भी मदद मिलती है संवेदनशील और रूखी त्वचा पर यह स्किन केयर प्रोडक्ट काफी असरदार है। स्किन केयर प्रोडक्ट में शामिल इस प्रोडक्ट से मॉइश्चराइजिंग और हाइपोएलर्जेनिक स्किन मिलती है। 50 एसपीएफ सनस्क्रीन से काफी अच्छे रिजल्ट देखने को मिलते हैं। इससे रातों-रात थकी हुई त्वचा को नरम बनती है काफी अच्छे रिजल्ट देखने को मिलते हैं

इन टिप्स से करें अपने लुक को स्टाइल

स्टाइलिश दिखना हम सभी चाहते हैं और इसके लिए हम आए दिन नए से नए फैशन ट्रेंड को फॉलो करना बेहद पसंद करते हैं। वहीं बदलते दौर में कई बार अपने लुक को स्टाइल करना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है। इन दिनों मौका शादियों का है। इस मौके पर अपने लुक को खास बनाने के लिए आपको कई बातों का खास ख्याल रखना जरूरी होता है।

बालों को स्टाइलिश देने के लिए क्या करें?

शादियों के मौके पर एथनिक वियर पहना जाता है और इसके साथ अक्सर हेयर स्टाइल भी वैसा ही बनाया जाता है। वहीं अगर आप ओपन हेयर स्टाइल बना रही हैं तो बालों में बीड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको फ्रंट में ब्रेड बनानी होगी और फिर इसमें बीड्स का इस्तेमाल करना होगा। अगर आप बन हेयर स्टाइल बना रही हैं तो हेयर एक्सेसरीज के लिए आप ज्वेलरी स्टाइल डिजाइन को चुनें। अब इसके लिए आपको एक्स्ट्रा पैसे खर्चने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप अपने किसी इयररिंग्स की मदद से ही इसे सजा सकती हैं। ऐसे ही आप चाहे तो छोटे साइज के स्टड्स इयररिंग्स को भी बालों में लगा सकती हैं।

शादियों के लुक को खास बनाने चेहरे पर कैसे बनाएं डॉट?

आपने देखा होगा कि शादियों में लोग बंजारा लुक को स्टाइल करना काफी पसंद करते है। इसके लिए कलियों वाले हैवी लहंगे के साथ चोली को स्टाइल किया जाता है। वहीं चेहरे को आकर्षक लुक देने के लिए आप ब्लैक कलर की डॉट जरूर बना लें। इसके लिए आपको केवल 2 चीजों की आवश्यकता रहेगी। चेहरे पर डॉट बनाने के लिए आप बॉबी पिंस की टिप्स पर आई लाइनर लगाएं और चेहरे पर बना लें।

कार्नर न्यूज

हर साल बदल जाते हैं फैशन ट्रेंड, आपको जानना जरूरी

शादियों के मौसम में पहनावा चुनना मुश्किल हो रहा तो पहले फैशन ट्रेंड जान लीजिए

दीवाली के बाद अब शादियों का मौसम है। ऐसे खास मौके पर पहनने के लिए आपको कुछ खास कपड़े चुनने चाहिए। इन शादियों के साथ बहुत से त्यौहार भी आते रहते हैं। ऐसे खास मौकों पर आपको क्या पहनना है, यह चुनना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

जानिए क्या है फैशन ट्रेंड

पुरुष और महिलाएं दोनों ही खास मौके पर नए कपड़े शौक से पहनते हैं। ऐसे में आपको मौजूदा समय में ट्रेंड कर रहे फैशन के बारे में जरूर जानना चाहिए। आप इसे अपनाकर त्यौहार और शादियों के खास मौके को और भी यादगार बना सकते हैं। पुरुष-महिलाओं के अलावा बच्चे और बुजुर्ग भी मौके को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं।

पुरुषों के लिए नेहरू जैकेट

त्यौहार और पार्टियों में नेहरू जैकेट किसी भी पुरुष के लुक को सहजता से निखार देता है। चाहे कुर्ता, लॉन्ग या शॉर्ट या फिर कैजुअल शर्ट के साथ पहना जाए, नेहरू जैकेट स्टाइल में तड़का लगाने का काम करता है। जो लोग कार्ड पार्टियों और समारोहों के लिए हल्के लेकिन फैशनेबल कपड़े पहनना पसंद करते हैं, उनके लिए शॉर्ट कुर्ते सबसे बढ़िया विकल्प हैं।

कुर्ते को जींस, ट्राउजर या धोती के साथ पहन सकते हैं

इसके अलावा जांघ या कूल्हे के बीच तक की लंबाई वाले कुर्ते जींस, ट्राउजर या धोती के साथ आसानी से पहने जा सकते हैं। बॉटम वियर का चयन आउटफिट को निखारता है, जो बेहद कैजुअल से लेकर खास एथनिक तक हो सकता है। इसके अलावा पुरुषों के पास चिकनकारी कुर्तों का भी आप्शन भी मौजूद है।

कुर्ते के साथ मौजूद हैं कई आप्शन

आज के बाजार में मौजूद आप्शन से आपके कुर्ते के साथ क्या जोड़ा जाये, इसका जवाब भी है। आप कुर्ते के साथ सलवार, जोधपुरी पैंट, पलाज़ो-स्टाइल पैंट या हमेशा खूबसूरत चूड़ीदार पहन सकते हैं।

सोशल मीडिया पर पुरुषों के फैशन रील्स और ट्रेंडिंग वीडियो की भरमार है, ऐसे में त्यौहार और पार्टियों में आप अपनी सहूलियत के हिसाब से कपड़ों का चयन कर सकते हैं।

महिलाओं के लिए हैं ये आप्शन

महिलाओं की बात करें तो त्यौहार और पार्टियों के मौके पर साड़ी के साथ स्लीवलेस ब्लाउज़ पहनना या लहंगे के साथ क्रॉप टॉप पहनना, क्लासिक लुक को आकर्षक बनाती है। चांदी और सोने के आभूषण दोनों ही महिलाओं के आउटफिट को निखारने के लिए तैयार हैं, जिसमें मांगटीका और झुमके से लेकर हार, चूड़ियाँ और अंगूठियों तक के विकल्प शामिल हैं।